दिनांक 02.09.2022 को वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय देहरादून की सम्पन्न हुई "विद्या परिषद्" की 12 वीं बैठक का कार्यवृत्त।

दिनांक 02.09.2022 को मा0 कुलपति महोदय की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय, देहरादून के कॉन्फ्रेन्स हाल में विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् की 12 वीं बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें निम्नॉकित मा0 सदस्यगण एवं अन्य आमंत्रित सदस्य उपस्थित रहे।

(1) कुलपति, वीर माधो सिंह उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, —अध्यक्ष
(ख) विश्वविद्यालय के ऐसे पांच प्राचार्य जो कार्यपरिषद् के सदस्य न हो:
(2) डॉ0 आर0पी0एस0 गंगवार, निदेशक डब्लू.आई.टी.। —सदस्य
(3) डॉ0 सतेन्द्र सिंह, निदेशक,बी0टी0के0आई0टी0 द्वाराहाट । —सदस्य
(4) डॉ हरप्रीत सिंह ग्रेवाल निदेशक,डी.बी.एस. कालेज देहरादून। —सदस्य
(5) डॉ0 अमित बन्सल, निदेशक जे.बी.आई.टी कालेज देहरादून। —सदस्य
(6) डॉ0 अभय कुमार शर्मा, निदेशक बी.आई.एस भीमताल । —सदस्य
(घ) गोबिन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर के कुलपति द्वारा नाम निर्दिष्ट उस विश्वविद्यालय का एक विभागाध्यक्ष।
(7) डॉ0 अलक नन्दा अशोक, डीन कालेज ऑफ टेक्नॉलोजी पन्तनगर —सदस्य
(ड) कुलसचिव वीर माधो सिंह उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, —पदेन सचिव
(अ) परीक्षा नियंत्रक, वीर माधो सिंह उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, — आंमत्रित सदस्य
(ब) वित्त नियंत्रक, वीर माधो सिंह उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, — आंमत्रित सदस्य
(स) श्री सुनील कुमार , परीक्षा विभाग। — आंमत्रित सदस्य
(द) डॉ0 विशाल रमोला,फैकल्टी ऑफ टेक्नालोजी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय — आंमत्रित सदस्य

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ करने से पूर्व कुलसचिव द्वारा विद्या परिषद् के नामित सदस्यों का स्वागत किया गया। मा0 कुलपति महोदय द्वारा विश्वविद्यालय की शैक्षिक, गतिविधियों एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2022 का कियान्वयन इसी शैक्षणिक सत्र से प्रारभ करने एवं तदनुसार विभिन्न पाठयक्रमों हेतु आर्डिनेन्श तथा पाठयचर्या में किये गये संशोधन एवं उससे इंजीनियरिंग स्नातकों को प्राप्त होने वाले लाभ तथा रोजगार के अवसरो में बृद्धि इत्यादि के बारे में विस्तृत रूप से प्रकाश डाला । तदोपरान्त कुलसचिव द्वारा मा0 सदस्यों के समक्ष एजेण्डा प्रस्तुत किया गया, जिसका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:—

बिन्दु सं0—12.01

(क) विद्या परिष्द की 11वीं बैठक के कार्यवृत्त का अनुमोदन प्रदान किया गया । (संलग्नक-01)।

(ख) विद्या परिषद की दिनांक 30—04—2022 को संपन्न हुई बैठक में लिये गये निर्णयों के संबंध में कृत कार्यवाही की सूचना दी गयी। कृत कार्यवाही पर मा0 सदस्यों द्वारा सतोष व्यक्त किया गया ।

बिन्दु संख्या:—12.02

शैक्षणिक सत्र 2022—23 हेतु आयोजित काउसिंलिंग 2022 के माध्यम से प्रवेश इत्यादि की स्थिति से माननीय सदस्यों के अवगतनार्थ।

प्रस्ताव:— (क) **B Tech 2nd Year (Lateral Entry), B Pharma Ist & 2nd Year (Lateral Entry), BHMCT, M.Tech, M.Pharm, MBA, MCA, BA.LLB, BBA.LLB, LLB, LLM, PHARM.D.** में प्रवेश हेतु ऑनलाईन काउंसिलिंग निम्न कार्यक्रमानुसार आयोजित की गयी:—

Counselling Phase	Period of Counselling Fee Deposition, Online registration and Choice filling	Seat Allotment Date	Date of Reporting in Allotted institutions by the candidate's
प्रथम चरण	12 अगस्त 2022 से 16 अगस्त 2022 तक	19 अगस्त 2022	22 अगस्त 2022 से 24 अगस्त 2022
द्वितीय चरण	26 अगस्त 2022 से 28 अगस्त 2022 तक	29 अगस्त 2022	30 अगस्त 2022 से 02 सितम्बर 2022 त
SPOT Counseling दिनांक 3 सितम्बर 2022 से दिनांक 13 सितम्बर 2022 के मध्य संस्था द्वारा निर्धारित तिथि पर			

सीट आंवटन :–

SN	COURSE	INTAKE FOR COUNSELING			FIRST ROUND				SECOND ROUND			
					FILL CHOICE	ALLOTTED			FILL CHOICE	ALLOTTED		
		GOVT	PVT	TOTAL		GOVT	PVT	TOTAL		GOVT	PVT	TOTAL
1	B.TECH 2ND YEAR	1311	1865	3176	620	433	47	480	381	135	82	217
2	B.PHARM 2ND YEAR	0	134	134	16	0	16	16	15	0	7	7
3	B.PHARM IST YEAR	0	1136	1136	41	0	41	41	7	0	15	15
4	BHMCT IST YEAR	190	171	361	107	73	2	75	46	22	2	24
5	MTECH IST YEAR	325	196	521	19	18	1	19	8	7	1	8
6	MPHARM IST YEAR	12	189	201	5	4	1	5	3	2	1	3
7	MBA IST YEAR	120	1615	1735	0	0	0	0	1	1	0	1
8	MCA IST YEAR	90	169	259	14	12	2	14	10	8	1	9
9	PHARM D IST YEAR	0	26	26	0	0	0	0	0	0	0	0
10	BALLB/BBALLB IST YEAR	0	770	770	0	0	0	0	0	0	0	0
11	LLB IST YEAR	0	609	609	0	0	0	0	0	0	0	0
12	LLM IST YEAR	0	338	338	0	0	0	0	0	0	0	0
	TOTAL	2048	7218	9266	822	540	110	650	471	175	109	284

(ख) बी0टेक0 प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिये विगत वर्षों की भॉति इस वर्ष भी एन0आई0सी0 के सहयोग से ऑनलाईन काउंसिलिंग का आयोजन निम्नानुसार किया जा रहा है:–

Counselling Phase	Period of Counselling Fee Deposition, Online registration and Choice filling	Seat Allotment Date	Date of Reporting in Allotted institutions candidate's
प्रथम चरण	5 सितम्बर 2022 से 8 सितम्बर 2022 तक	12 सितम्बर 2022	13 सितम्बर 2022 से 17 सितम्बर 2022 तक
द्वितीय चरण	20 सितम्बर 2022 से 23 सितम्बर 2022 तक	27 सितम्बर 2022	28 सितम्बर 2022 से 01 अक्टूबर 2022 तक
SPOT Counseling दिनांक 3 अक्टूबर 2022 से दिनांक 13 अक्टूबर 2022 के मध्य संस्था द्वारा निर्धारित तिथि पर प्रस्तावित			

विनिश्चय :–12.02 विद्या परिषद् के माननीय सदस्यों द्वारा प्रवेश हेतु की गयी कार्यवाही तथा बी0टेक0 पाठयक्रमों की आगामी प्रस्तावित ऑन लाइन काउसिंलिंग तथा अन्य सभी पाठयक्रमों हेतु स्पोर्ट काउसिंलिंग के प्रस्तावित समय सारणी का संज्ञान लेते हुए कृत कार्यवाही पर अनुमोदन प्रदान किया गया एवं प्रवेश बढाने हेतु डिजिटल माध्यमों से अधिकतम प्रचार–प्रसार करने हेतु सुझाव दिए गये।

बिन्दु संख्याः–12.03

सम सेमेस्टर परीक्षा 2022 के परिणामों एवं शैक्षणिक कैलेंडर की सूचना।

प्रस्तावः– सम–सेमेस्टर परीक्षा–2022 का सफल आयोजन माह जून –जुलाई 2022 के मध्य समस्त संस्थानों में किया गया। सम–समेस्टर परीक्षाओं का परीक्षाफल माह अगस्त 2022 में घोषित कर समस्त संस्थानों को उपलब्ध करा दिया गया है। जिसका विवरण पटल पर परीक्षा नियंत्रक द्वारा प्रस्तुत प्रस्तुत है साथ ही शैक्षणिक कैलेंडर 2022–23 अवगतनार्थ पटल पर प्रस्तुत है।

विनिश्चय :–12.03 विद्या परिषद् के माननीय सदस्यों को परीक्षा नियंत्रक द्वारा अद्यतन घोषित परीक्षाफलों के बार में अवगत कराया गया मा0 सदस्यों द्वारा बैक पेपर इत्यादि के अवशेष परीक्षा परिणामों को अतिशीघ्र घोषित करने के साथ–साथ, सीमित संसाधनों के बीच विश्वविद्यालय द्वारा नवीन शैक्षणिक सत्र प्रारम्भ करने के पूर्व छात्रों के परीक्षा परिणामों को समय से घोषित करने के लिए मा0 कुलपति महोदय एवं विश्वविद्यालय की टीम को उनके प्रयासों हेतु सराहना की गयी। बैठक में अवगत कराया गया कि शैक्षणिक कलैण्डर के अनुसार गतिविधिया प्रारम्भ कर दी गयी है जिसका मा0 सदस्यों द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया। डॉ अलकनन्दा अशोक द्वारा संबंधित बिन्दु पर द्वितीय काउसिंलिंग/स्पोर्ट काउसिंलिंग से प्रवेशित छात्रों की छूटी हुई पाठयचर्या के पृच्छा के क्रम कुल सचिव द्वारा अवगत कराया गया कि सभी संस्थानों को यह निर्देशित कर दिया गया है कि इस प्रकार से प्रवेशित छात्र–छात्राओं की पाठयचर्या अतिरिक्त कक्षाएं लेकर पूर्ण की जाए जिस पर मा0 सदस्यों द्वारा संतोष व्यक्त किया गया।

बिन्दु संख्याः–12.04

शैक्षणिक सत्र 2022–23 हेतु विभिन्न संस्थाओं के संबंद्धता की स्थिति मा0 सदस्यों को अवगतनार्थ एवं परिचर्चा।

प्रस्ताव– शैक्षणिक सत्र 2022–23 हेतु विभिन्न संस्थाओं के सम्बद्धता हेतु ऑनलाईन पोर्टल पर आवेदन आमंत्रित किये गये। आवेदन दिनांक 15–07–2022 से दिनांक

19–08–2022 के मध्य आमंत्रित किये गये। अंतिम तिथि तक 63 संस्थानों के द्वारा पोर्टल पर डेटा अपलोड किया गया। विश्वविद्यालय से सम्बद्ध संस्थानों की सम्बद्धता विषयक समय–सारिणी को माननीय कुलाधिपति महोदय के कार्यालय द्वारा 18 अगस्त 2022 को जारी किया गया है तद्नुसार संलग्न समय–सारिणी का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

संलग्नक–02

विनिश्चय :–12.04 विद्या परिषद् के माननीय सदस्यों के द्वारा संबंद्धता हेतु ऑन लाईन कार्यवाही के क्रम में विश्वविद्यालय की सराहना व्यक्त की गयी डॉ अलकनन्दा अशोक द्वारा सुझाव दिया गया कि संबंद्धता निरीक्षण हेतु गठित निरीक्षण समिति के सदस्यों के नामों में परिवर्तन समिति के पूर्व निर्धारित सदस्यों के न आने के संबंध में लिखित सूचना/दूरभाष सूचना प्राप्त होने पर ही किया जाए इस संबंध में पूर्व में भी विश्वविद्यालय की यही प्रकिया अपनायी जाती रही है तथा भविष्य में भी मा0 सदस्या के सुझाव पर अमल किया जायेगा जिस पर सभी मा0 सदस्यों ने अपनी सहमति प्रदान की गयी।

बिन्दु संख्याः–12.05

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कियान्वयन एवं च्वाइंस बेस्ड केडिट सिस्टम लागू करने के लिए विभिन्न पाठयक्रमों के आर्डिनेन्स हेतु संशोधन किये जाने पर चर्चा एवं अनुमोदन।

प्रस्ताव– विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को शैक्षणिक सत्र 2022–23 से पाठ्यक्रमों में लागू करने के उद्देश्य से समस्त पाठ्यक्रमों के आर्डिनेन्सों को संशोधित कर लिया गया है। संशोधित आर्डिनेन्स राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन के अनुसार तैयार किये गये हैं एवं आर्डिनेन्सों में निम्नवत उद्देश्यों का विशेष ध्यान रखा गया है:–

- आर्डिनेन्स में उद्योगों की मांग के अनुरूप पाठयचर्या रोजगारपरक बनाये जाने हेतु आवश्यक शंशोधन किया गया है।
- आर्डिनेन्स में Choice Based Credit System (CBCS) का समावेश किया गया है।
- आर्डिनेन्स में Major & Minor विषयों को रखा गया है। जिससे छात्र–छात्राओं को अपने कोर्स/पाठयक्रमो के साथ–साथ अन्य विषयों की भी जानकारी अर्जित हो सके एवं उनके रोजगार के अवसर में वृद्धि हो।

- आर्डिनेन्स में प्रत्येक सेमेस्टर में Slow Learner व Fast Learner हेतु Minimum Credit & Maximum Credit Points को भी निर्धारित किया गया है। जैसे **B.Tech** में एक छात्र एक सेमेस्टर में न्यूनतम 18 एवं अधिकतम 26 Credit Points को अर्जित कर सकता है। इस प्रकार छात्रों के मध्य प्रतिस्पर्धा भी होगी एवं किसी भी कक्षा में Slow Learner & Fast Learner को अपनी क्षमतानुसार पाठ्यक्रम के अध्ययन का अवसर उपलब्ध हो सकेगा।
- एम0टेक0 पाठ्यक्रम 2 वर्षों का है किन्तु बी0टेक में आवश्यक Credit Points अर्जित करने पर निर्धारित प्रतिबंधो के अन्तर्गत छात्र को एक वर्ष में ही एम0टेक की डिग्री प्राप्त करने का प्रावधान रखा गया है।
- सभी पाठयक्रमों के सुचारू संचालन एवं छात्रों के अध्ययन–अध्यापन के पर्यवेक्षण हेतु Course Committee एवं Class Committee का गठन किया गया है।
- उपरोक्त के अतिरिक्त विभिन्न पाठ्यक्रमों में संशोधित आर्डिनेन्स के कतिपय मुख्य बिन्दु निम्नवत हैं:–

➢ इंजीनियरिंग (Engineering) पाठ्यक्रम

1. Students may opt MOOCs Courses up to maximum 20 credits.
2. Flexibility in promotion policies.
3. Summer Semester System.
4. Multidisciplinary System.
5. Exit System after 2nd Year.
6. Up-gradation in award & ranks added overall topper-chancellor gold medal.
7. ERP Based system on Registration/enrollment and Academic Progression System.
8. Options for adding and dropping courses.
9. Multidisciplinary -Option for opting courses in a particular semester limited to maximum 2 additional courses.

➢ विधि (Law) पाठ्यक्रम

1. Introducing optional Minor Subject group for B.A.LL.B/B.B.A, LL.B and LL.B. There are 5 groups having 5 subjects which can be opted from the second year of the course.
2. Introducing Six more new specialization groups for LL.M
3. Introducing a new evaluation scheme for LL.M Dissertation. Now dissertation can be evaluated only after the publication/ communication/presentation of a

research paper based on the dissertationin UGC CARE/SCOPUS indexed journal and a soft copy of the dissertation will be submitted to the University.

4. Introducing uniformity in subject contents. All contents of the subjects have been divided into 5 Module and allotted Lecture Hours as per the requirement of Credits of the Subjects
5. Introducing an amendment to the evaluation scheme for the clinical courses (Professional Ethics, ADR, Drafting Pleading etc) 50 per cent theory and 50 per cent practical training-based evaluation followed by viva voce.
6. Introducing new contents in the syllabus based on the latest legislation ie Consumer Protection Act 2019, Muslim Woman (Protection of Right on Marriage) Act 2019, Juvenile Justice (Amendment) Act, 2021, Motor Vehicle (Amendment) Act, 2019 etc.
7. Introducing internal optional subjects for LL.B course ie there will be an option to opt for Legal and Constitutional History or Law of Taxation in the Second semester. There will be another option provided for last semester also.

➢ फार्मेसी (Pharmacy) पाठ्यक्रम

1. University has adopted the regulations and syllabus of Pharmacy council of India in the Pharmacy programs B.Pharm, M.Pharm and Pharm.D.
2. Few Non-Credit Pharmacy Certificate Courses are added in B.Pharm 4th year (7th and 8th Semester) to provide industrial training to the students in the Pharmaceutical Industries and sharpen their skills from industrial point of view which are as follows:
   >>Pharmaceutical Management
   >>Pharmaceutical Quality Control
   >>Drug Regulatory Affairs
3. The duration of training is of complete one year in the industry.

➢ प्रबन्धन (MBA) पाठ्यक्रम

1. The MBA curriculum has been converted to allotted credit & cumulative credit based for full time, part time and integrated MBA Programmes.
2. The student is allowed to go to next semester by completing the credits allotted for that semester.
3. Exit policy at the end of one year is now allowed to the student & university will provide them a Post Graduate Certificate in Management (PGCM).
4. New Subjects have been introduced as per need of present and future.

➢ होटल प्रबन्धन (BHMCT/MHM) पाठ्यक्रम

1. The Syllabus of 04 year UG course BHMCT (Bachelor of Hotel Management & Catering Technology) & BHM(Bachelor of Hotl Management) and 02 year PG course MHM (Master of Hotel Management) is designed while considering National Education Policy- 2020.
2. The curriculum structure of 04 year UG course is having Total of 188 credits and for 02 year PG course MHM (Masters of Hotel Management is having total of 84 credits.
3. There is provision of Industrial Exposure in UG course in Fourth and Eight semester and for MHM it is given in 4th semester to make student skillful in particular department.
4. There is a provision of compulsory one week Industrial Visit in the first year of UG course as well as PG course as the part of Student Induction Programme.
5. Minor degree in Travel and Tourism along with 04 year undergraduate programme which would be of total 18 credits (3 credit course in each semester except 4th and 8th semester which is devoted for Industrial exposure).
6. Student can take lateral entry in the second year of MHM after completing the bridge course of 20 credit which is given in the 8th semester of UG Course given in the ordinance.

   उपरोक्तानुसार इंगित मुख्य संशोधनो के साथ समस्त पाठयक्रमों के नये आर्डिनेन्स माननीय सदस्यों के समक्ष विचारार्थ एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

विनिश्चय :–12.05 मा0 कुलपति महोदय द्वारा अर्डिनेन्स में किये गये संशोधनों बारे में विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। तद्नुसार व्यापक विचार बिमर्श करते हुए मा0 सदस्यों द्वारा विभिन्न पाठयक्रमों के अर्डिनेन्श में किये गये संशोधनों पर अपना अनुमोदन प्रदान किया गया। Multidisciplinary प्रकिया के बारे में मा0 सदस्यों द्वारा की गयी पृच्छा के बारे में अवगत कराया गया कि अर्डिनेन्स में Multidisciplinary की व्यवस्था Inter Disciplinary विषयों के अध्यापन की सुविधा देने के माध्यम से की गयी है एवं प्रत्येक प्रोग्राम हेतु eligibility criteria संबधित नियामक संस्थाओं के अनुसार ही रखा गया है जिस पर सभी मा0 सदस्यों द्वारा अपनी सहमति प्रदान की गयी।

बिन्दु संख्याः–12.06

संशोधित ऑडिनेन्स के अनुसार विभिन्न पाठयक्रमों हेतु बी0ओ0एस0 **(B.O.S.)** द्वार प्रस्तावित नवीन पाठयचर्या का अनुमोदन।

प्रस्ताव– संशोधित आर्डिनेन्स के अनुसार विभिन्न पाठ्यक्रमों हेतु नियमानुसार **Board of Studies (B.O.S.)** का गठन कर **(BOS)** द्वारा दिनांक 16 अगस्त 2022 से दिनांक 31 अगस्त 2022 के मध्य बैठके आयोजित कर नये पाठयक्रमों को प्रथम वर्ष हेतु तैयार किया गया है जो कि पटल पर प्रस्तुत है। जिसकी प्रतियॉ सम्मानित सदस्यो के समक्ष विचारार्थ एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है। शेष वर्षो के लिये प्रभावी किये जाने वाले विषयों के पाठयक्रम आने वाले समय में तैयार किया जायेगा।

विनिश्चय :–12.06 विद्या परिषद् के माननीय सदस्यों द्वारा संशोधित ऑडिनेन्स के अनुसार विभिन्न पाठयक्रमों हेतु बी0ओ0एस0 **(B.O.S.)** द्वारा तैयार की गयी नवीन पाठयचर्या का अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु संख्याः–12.07

ए0आई0सी0टी0ई0 द्वारा सत्र 2022–23 से निम्न एम0बी0ए0 पाठयक्रमों को संचालन हेतु ए0आई0सी0टी0ई0 से अनुमोदन प्राप्त हुआ है के सम्बंध में माननीय सदस्यों को अवगतनार्थ। तथा इन पाठयक्रमो के संचालन हेतु फैक्लटी के रखने उनके मानदेय तथा फैक्लटी के चयन हेतु स्क्रनिंग समिति एवं चयन समिति के गठन हेतु अनुमोदन।

प्रस्तावः– 05 मई 2022 को कार्य परिषद् की 11वीं बैठक में विश्वविद्यालय में संचालित होने वाले निम्न MBA पाठयक्रमों के संचालन हेतु अनुमोदन प्राप्त हो चुका है एवं विश्वविद्यालय स्तर पर भूमि,भवन, साज–सज्जा फैक्लटी आदि की नियमानुसार व्यवस्था करने हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया। उक्त के क्रम में वर्तमान सत्र में एम0बी0ए0 पाठयक्रम संचालन एवं प्रारम्भ में क्रमांक 01 पर अंकित पाठयक्रम हेतु (02शैक्षिक स्टाफ)01 असिस्टेन्ट प्रोफेसर एवं 01एसोसिएट प्रोफेसर एवं क्रमांक 03 पर अंकित विषय हेतु (02शैक्षिक स्टाफ)01 असिस्टेन्ट प्रोफेसर एवं 01एसोसिएट प्रोफेसर स्टाफ रखने हेतु ए0आई0सी0टी0ई0 के नियमानुसार चयन समिति के माध्यम से संविदा के आधार पर रू0–35,000–00 हजार अस्सिटेन्ट प्रोफेसर तथा रू0–50,000–00 हजार एसोसिएट प्रोफेसर को रखे जाने तथा वार्षिक आधार पर 50,000–00 हजार एम0बी0ए0 रेगुलर एवं 50,000–00 एम0बी0ए0 पार्ट टाईम के शिक्षण शुल्क निर्धारण हेतु अनुमोदन।

S.No	MBA Course	Intake	Regular/Part Time
1	Finance Marketing &Human Resource Management	60	Regular
2	Finance Marketing &Human Resource Management	30	Part time
3	Digital Marketing	60	Regular

विनिश्चय :–12.07 विद्या परिषद् के माननीय सदस्यों द्वारा प्रस्तावित प्रवेश क्षमता के सापेक्ष एम0बी0ए0 पाठयक्रमों संचालन एवं तद्नुसार प्रत्येक पाठयक्रम हेतु एक– एक असिस्टेन्ट प्रोफेसर एक–एक एसोसिएट प्रोफेसरों को संविदा पर रखे जाने हेतु असिस्टेन्ट प्रोफेसर को रू 35000 हजार मानदेय एवं एसोसिएट प्रोफेसरों रू0 50000 हजार मानदेय प्रतिमाह प्रदान करने के अतिरिक्त एम0बी0ए0 रेगुलर एम0बी0ए0 पार्ट टाईम हेतु प्रस्तावित रू.50,000.00 हजार वर्षिक शिक्षण शुल्क निर्धारण करने का अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु संख्याः–12.08

विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यो को ऑन–लाईन करने हेतु ई0आर0पी0 यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट सिस्टम निर्माण हेतु अनुमोदन।

प्रस्तावः– विश्वविद्यालय में वर्तमान में संचालित पाठ्यक्रमों के अनुमोदन, सम्बद्धता, शैक्षणिक प्रबन्धन, ई–गवर्नेस, कार्यालयी प्रक्रियाओं की ट्रैकिंग, मा0न्यायालयों में वाद पर कार्यवाही, वित्तीय प्रबन्धन एवं छात्रों के पंजीकरण, Choice Based Credit प्रणाली लागू करना,उपस्थिति का संग्रहीकरण,शिक्षकों का Data base, परीक्षा फार्म, परीक्षा केन्द्रो का नियंत्रण On screen डिजिटल मूल्यांकन, कॉलेज लॉगइन, छात्र लॉगइन, शिक्षक लॉगइन, विश्वविद्यालय लॉगइन, डिजिटल स्वरूप में मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाओं को परीक्षा निर्माण से पूर्व संबंधित छात्रों को डिजिटल स्वरूप में मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाओं को परीक्षा निर्माण से पूर्व संबंधित छात्रों को डिजिटल स्वरूप में अवलोकित कराये जाने की व्यवस्था, Digitally Encrypted स्वरूप में प्रश्न पत्रों का परीक्षा केन्द्रों पर प्रेषण, ऑनलाइन परीक्षार्थियों की उपस्थिति का संग्रहीकरण, परीक्षाफल निर्माण, परीक्षाफल की घोषणा, छात्रों हेतु Help Desk की सुविधा, ऑनलाइन मार्कसीट, प्रोविजनल डिग्री सर्टिफिकेट, माइग्रेशन, डिग्री प्रिंटिंग जैसी सुविधाओं के साथ विश्वविद्यालय के प्रशासनिक, वित्तीय, शैक्षणिक व परीक्षा संबंधी दायित्वों का समग्रता से डिजिटलीकरण करने की नितान्त आवश्यकता है।

इस परिप्रेक्ष्य में विश्वविद्यालय द्वारा सभी गतिविधियों के सुचारू व समयबद्ध निष्पादन हेतु ई0आर0पी0 प्रणाली स्थापित किये जाने का प्रस्ताव है ताकि विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों व संस्थानों से संबंधित गतिविधियों में पारदर्शिता व गुणवत्ता का समावेश किया जा सके। इस हेतु विश्वविद्यालय द्वारा समग्र रूप से **"यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट सिस्टम"** बनाये जाने से आगामी परीक्षाओं, परीक्षाफलों व परीक्षा संबंधी अभिलेखों का त्वरित व प्रभावी सम्पादन हो सकेगा। अतः प्रस्ताव है कि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, प्रशासनिक व वित्तीय प्रबंधन प्रणाली के डिजिटलीकरण हेतु समग्रता से तैयार ई0आर0पी0यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट सिस्टम तैयार करने पर विचारोपरान्त अनुमोदन प्रदान करने का कष्ट करें।

विनिश्चय :–12.08 विद्या परिषद् के माननीय सदस्यों द्वारा प्रसन्नता व्यक्त करते हुए संबंधित ई0आर0पी0 कार्य करने के साथ–साथ विश्वविद्यालय द्वारा समग्र रूप से **"यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट सिस्टम"** बनाये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया। मा0 सदस्यों द्वारा ई0आर0पी0 में Parents input से Related Module भी समिल्लित किये जाने पर अपने सुझाव दिए गये।

बिन्दु संख्याः–12.09

विश्वविद्यालय में पंजीकृत छात्रों को विदेशी भाषओं का ज्ञान देने हेतु अध्यापन कराये जाने का प्रस्ताव विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाये जाने हेतु ऐसा महसूस किया गया है कि यदि तकनीकी छात्रों को कतिपय विदेशी भाषाओं यथा–फ्रेंच, जर्मनी, जापानी, स्पेनीज व चाइनीज में से किसी एक अथवा कई का वांछित ज्ञान दिया जायेगा तो उनके रोजगार के नये अवसर उपलब्ध हो सकेंगें।

अतः विश्वविद्यालय में पंजीकृत छात्रों को विदेशी भाषाओं का ज्ञान दिलाये जाने हेतु इन भाषाओं के अध्यापन कराने वाले विश्वविद्यालयों/संस्थानों से Online Language Proficiency Certification हेतु कार्यवाही सम्पन्न कराया जाना प्रस्तावित है।

माननीय सदस्यों के समक्ष विचारार्थ एवं अनुमोदनार्थ ।

विनिश्चय :–12.09 विद्या परिषद् के माननीय सदस्यों द्वारा प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उक्त प्रस्ताव पर अपनी सहमति देते हुए अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु संख्याः–12.10

शैक्षिक सत्र 2022–23 हेतु पी0एच0डी0 प्रवेश एवं परीक्षा हेतु अनुमोदन।

प्रस्तावः– सत्र 2022–23 में विभिन्न पाठयक्रमों हेतु पी0एच0डी0 आर्डिनेन्स 2020 के अनुसार विश्वविद्यालय एवं उसके संबद्ध संस्थानों में कार्यरत प्रोफेसर, एसोसियेट प्रोफेसर व अस्सिटेन्ट प्रोफेसर के मार्गदर्शन में यू0जी0सी के नॉर्मस के अनुसार निर्धारित रिक्त सीटों शोध पर्यवेक्षकों की अर्हता एवं Identified Problems में शोध छात्रों द्वारा पी0एच0डी0 कराये जाने के सम्बंध में दिनांक 07–07–2022 को माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता में पी0एच0डी0 प्रवेश परीक्षा आयोजित करने एवं आनलाईन आवेदन प्राप्त करने आदि हेतु सम्पन्न बैठक में लिए गये निर्णय का अनुमोदन।

विश्वविद्यालय में उपलब्ध करायी गयी उपरोक्त की सूचना के आधार पर निश्चित पी0एच0डी0 सीटों की संख्या पर प्रवेश हेतु कार्यवाही किये जाने का प्रस्ताव विचारार्थ एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।

विनिश्चय :–12.10 विद्या परिषद् के माननीय सदस्यों द्वारा प्रस्ताव पर चर्चा की गयी एवं की जा रही कार्यवाही पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

संलग्नक–03

बिन्दु संख्याः–12.11

नेहरू पर्वतारोहण संस्थान उत्तरकाशी के संयुक्त तत्वाधान में विभिन्न पाठयक्रमो का संचालन हेतु MOU निस्पादन किये जाने हेतु अनुमोदन।

प्रस्तावः– विश्वविद्यालय तथा नेहरू पर्वतारोहण संस्थान उत्तरकाशी द्वारा सामयिक आवश्यकताओं के अनुरूप निम्नानुसार आपसी सहयोग करार कर साझा गतिविधियॉ संचालित करना प्रस्तावित है।

For Sharing common desire to extend and strengthen the functional relationship between Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University, Dehradun and Nehru Institute of Mountaineering, Uttarkashi.MOU is to be sign between these two organizations .

The purpose of this MOU is to foster collaboration, on the development of mountaineering and geographical information system in India and to facilitate advancement of knowledge on basis of reciprocity, best effort, mutual benefit and frequent interaction , UTU and NIM.

The MOU is proposed to cover the following activities.

a. To establish a close linkage and functional coordination between UTU and NIM
b. Exchange of information on research, training, learning materials
c. Joint organization of the symposium, seminars, conferences, workshops and short-term containing education programs on topics of mutual interest.
d. Joint proposal and engagement in research or training programs.
e. Running 01 year PG Diploma in Mountaineering and Adventure Technology.

MOU तथा प्रस्तावित PG Diploma ड्राफ्ट माननीय सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत है। उपरोक्त संबंधित कार्यों के सम्पादन हेतु नेहरू पर्वतारोहण संस्थान उत्तरकाशी तथा विश्वविद्यालय के साथ MOU आवश्यकतानुसार परिमार्जन करते हुये सम्पादित करने की कार्यवाही विचारार्थ एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।

संलग्नक–04

विनिश्चय :–12.11 विद्या परिषद् के माननीय सदस्यों द्वारा उक्त कार्य हेतु विश्वविद्यालय की पहल का स्वागत करते हुए प्रस्ताव पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु संख्याः–12.12

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के Alumni Cell के गठन हेतु अनुमोदन।

प्रस्तावः– विश्वविद्यालय के विभिन्न संस्थानो से उत्तीर्ण छात्र छात्रायें वर्तमान में देश विदेश की प्रतिष्ठित प्रतिष्ठानो में कार्यरत है कई छात्र छात्रायें अपना उद्योग स्वयं से संचालित कर प्रदेश एवं देश के युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान कर रहे हैं। अतः उनके अनुभवों को संचित करते हुए नई आवश्यकताओं के क्रम में पठन पाठन को सुदृढ करने इत्यादि के लिए विश्वविद्यालय मे Alumni Cell के गठन करने का प्रस्ताव है तथा इस सम्बन्ध में UTU Alumni Association के Regulation का ड्राफ्ट प्रस्ताव भी विद्या परिषद के समक्ष विचारार्थ एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

संलग्नक–05

विनिश्चय :–12.12 विद्या परिषद् के माननीय सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय में एक एल्यूमिनी सेल के गठन एवं इस संबंध में प्रस्तुत UTU Alumni Association Regulation पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु संख्याः–12.13

ट्रेनिंग एडं प्लेसमेंट सेल (Training and Placement Cell) के गठन हेतु अनुमोदन।

प्रस्तावः– रोजगार को बढावा देने के उददेश्य से समस्त संस्थानों एवं विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग एडं प्लेसमेंट सेल का गठन किया गया है। साथ ही सभी संबद्ध संस्थानों के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल को एक पोर्टल डिजिटल एप के माध्यम से जोडा जायेगा। तदअनुसार पोर्टल व एप के निर्माण कराने हेतु भविष्य में कार्यवाही किये जाने तथा सैल के गठन की सूचना अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

विनिश्चय :–12.13 विद्या परिषद् के माननीय सदस्यों द्वारा Training and Placement Cell के गठन के प्रस्ताव पर अनुमोदन प्रदान किया गया। तथा रोजगार की महत्ता के दृष्टिगत आवश्यकतानुसार सभी संबद्ध संस्थानों से इस संबंध में वित्तीय सहयोग लेने हेतु भी अपने सुझाव दिए।

बिन्दु संख्याः–12.14

IQAC (Internal Quality Assurance Cell) आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के गठन तथा इसी प्रकार के प्रकोष्ठ सभी संबद्ध संस्थानों में गठित कराने हेतु अनुमोदन।

प्रस्तावः– यू0जी0सी0द्वारा जारी निर्देशों के क्रम में समस्त संस्थानों की गुणवत्ता के स्तर के सुधार के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर Internal Quality Assurance Cell का गठन निम्नवत् किया जाना प्रस्तावित है:–

- **संरचना**

1. विश्वविद्यालय के कुलपति —अध्यक्ष
2. 08 वरिष्ठ शिक्षक एवं 01 वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी —सदस्य
3. मैनेजमेंट/उद्योग/स्थानिय स्तर के 03 बाहय विशेषज्ञ —सदस्य
4. निदेशक IQAC —पदेन सदस्य

- **उददेश्य**

1—विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और प्रशासनिक प्रदर्शन में सुधार के लिए जागरूक, सुसंगत कार्यवाही के लिए एक गुणवत्ता प्रणाली (Quality System) विकसित करना।

2— Quality Culture एवं Institutional Best Practices के माध्यम से गुणवत्ता वृद्धि (Quality Enhancement) की दिशा में कार्य करना।

- **कार्य प्रणाली**

1—छात्र/अभिभावकों/प्रबंधन से गुणवत्ता संबंधी Feedback प्राप्त करना।
2— Quality Assurance Body (NAAC, NBA,AB) द्वारा जारी निर्धारित प्रारूपों पर Annual Quality Assurance Report तैयार करना।
उपरोक्त अनुसार माननीय सदस्यों से अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।
इसी प्रकार NAAC द्वारा निर्धारित प्रारूप के अनुसार सभी संबद्ध संस्थानों में IQAC गठित कराये जाने एवं भविष्य में इनके NAAC Accrediatation सम्पन्न कराने का प्रस्ताव है।

उपरोक्त विचारार्थ एवं अनुमोदनार्थ।

विनिश्चय :—12.14 विद्या परिषद् के माननीय सदस्यों द्वारा प्रस्ताव अनुसार IQAC (Internal Quality Assurance Cell) आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के गठन हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु संख्याः—12.15

जी0बी0पी0ई0सी0 घुड़दौडी के वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2022—23 से विश्वविद्यालय के नवीन पाठयचर्या के अनुसार पाठयक्रमों के संपादन हेतु अनुमोदन।

प्रस्तावः— उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय के सम्बद्ध संस्थान जी0बी0पी0ई0सी0 पौड़ी को विश्वविद्यालय द्वारा पूर्व में स्वायत्ता प्रदान की गयी है वर्तमान में सम्बद्ध संस्थान द्वारा विभिन्न पाठ्यक्रमों की अलग पाठ्यचर्या एवं परीक्षा मूल्यांकन प्रणाली भी अपने ढंग से प्रयुक्त की जा रही है। विश्वविद्यालय का यह स्पष्ट मत है कि विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सभी संस्थानों में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों की पाठ्यचर्या एवं आर्डिनेन्स आदि में एकरूपता होनी चाहिये जिससे क्रेडिट ट्रॉस्फर आदि में समस्या न हो एवं राष्ट्रीय एंव अन्तर्राष्ट्रीय संस्थानों में प्रवेश होने पर विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त डिग्री एवं अंकपत्रों की सार्थकता एक समान मानी जाए।

उक्त के क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा नवीन पाठ्यचर्या एवं नये आर्डिनेन्स तैयार किये गये हैं अतः जी0बी0पी0ई0सी0 पौड़ी में भी उक्तानुसार एकरूपता लाते हुए पाठ्यचर्या एवं आर्डिनेन्स को

अपनाये जाने हेतु विद्या परिषद से विचारार्थ एवं प्रदत्त अनुमोदनार्थ प्रस्तुत। पूर्व की भॉति परीक्षा सम्बन्ध कार्य स्वायत्ता के अन्तर्गत संस्थान द्वारा किया जायेगा।

विनिश्चय :–12.15 विद्या परिषद् के सभी माननीय सदस्यों द्वारा एकमत से, यह विचार व्यक्त किया गया कि विभिन्न पाठयक्रमों हेतु विश्वविद्यालय से संबंद्ध सभी संस्थानों के लिए एक ही पाठयचर्या, एक ही मूल्यांकन प्रणाली, एक ही अडिनेन्स एवं सभी नियम समान रूप से सभी के लिए प्रतिबादित एवं स्वीकार होने चाहिए। मा0 सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय के उक्त प्रस्ताव पर अपनी सहमति देते हुए सर्व सम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु संख्याः–12.16

विश्वविद्यालय में ई पुस्तकालय (e library)/Digital Library की स्थापना हेतु अनुमोदन।

प्रस्तावः– विश्वविद्यालय में अध्ययनरत् छात्रों हेतु e-library/डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना किया जाना प्रस्तावित है इससे विश्वविद्यालय के अतिरिक्त विश्वविद्यालय से संबद्ध 91 संस्थानो मे अध्धयनरत् लगभग 30,000 हजार छात्र/छात्राये व शिक्षक लाभान्वित होगें। e-library की स्थापना हेतु लगभग 20 लाख रू प्रस्तावित है। उपरोक्त प्रस्ताव विद्यापरिषद के विचारार्थ एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।

विनिश्चय :–12.16 विद्या परिषद् के मा0 सदस्यों द्वारा e-library/Digital library अनुमोदन प्रदान करने के साथ–साथ विश्वविद्यालय को इस संबंध में सभी संबंद्ध संस्थानों से यथा आवश्यक धनराशि का सहयोग लेने हेतु भी अपने सुझाव दिये गये।

बिन्दु संख्याः–12.17

विश्वविद्यालय में Incubation Centre-UTU Incubation Hub (UTU I-HUB) की स्थापना हेतु अनुमोदन।

प्रस्तावः– विश्वविद्यालय में नवाचार तथा बढ़ाये जाने के दृष्टिगत Incubation Centre के रूप में UTU Incubation Hub स्थापित किया जाना प्रस्तावित है जिस के अन्तर्गत Innovation, Entrepreneurship आदि गतिविधियों को बढावा देने के अतिरिक्त विशविद्यालय में स्थापित जनरल बिपिन रावत डिफेन्स टैक्नोलाजी Incubation center, प्रस्तावित ATAL Incubation center आदि को समाहित किया जा सकेगा इससे छात्र/छात्राओं, फैक्ल्टी व किसी अन्य को अपने Innovative Ideas को मूर्त रूप में लाने के अतिरिक्त आत्म निर्भर उत्तरखण्ड तथा माननीय प्रधानमंत्री जी की आत्म निर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने में सहायता मिलेगी। विश्वविद्यालय द्वारा इस हेतु गाईड लाईन बनायी गयी है संबंधित गाईड लाईन/रेगुलेशन विचारार्थ एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।

संलग्नक–06

विनिश्चय :–12.17 विद्या परिषद् के माननीय सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय में Incubation Centre स्थापित करने एवं प्रस्तुत UTU-Incubation Hub(UTU-I HUB) की गाइडलाइनस का प्रस्ताव के अनुसार अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु संख्याः–12.18

वर्तमान सत्र से प्रौद्योगिकी संस्थान बौन उत्तरकाशी का संचालन विश्वविद्यालय कैम्पस कालेज के रूप में संचालन हेतु अनुमोदन।

प्रस्ताव–

01. विश्वविद्यालय द्वारा प्रौद्योगिकी संस्थान बौन उत्तरकाशी के संचालन के सम्बंध में प्रस्तुतिकरण निम्नवत है।शासनादेश संख्या 1030/XLI-1/2013-मु0घो0–33/12 दिनांक 23.10.2013 के क्रम में प्रौद्योगिकी संस्थान बौन उत्तरकाशी को उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय के रूप में सैद्धाकित रूप से स्थापित किये जाने हेतु स्वीकृति प्रदान की गयी थी। प्रश्नगत इंजीनियरिंग संस्थान अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के मानकों के अनुसार इलैक्ट्रानिक्स एण्ड कम्प्यूनिकेशन इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, सविलि इंजीनियरिंग, एवं इलैक्ट्रीकल इंजीनियरिंग, पाठ्यक्रमों में 60–60 प्रवेश क्षमता के साथ कुल 300 सीटों की संख्या के साथ अनुमोदन प्रदान किया गया था।

साथ ही प्रश्नगत इंजीनियरिंग,संस्थान के संचालन मे आने वाला आवर्तक व्यय उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा अपने संसाधनों से वहन यिकया जायेगा। अवस्थापना सुविधाओं (अनावर्तक व्यय) मे प्रत्येक वर्ष आने वाले व्यय का 50 प्रतिशत उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा एवं 50 प्रतिशत राज्य सरकार द्वारा सहायक अनुदान के रूप में वहन किये जाने हेतु स्वीकृति प्रदान की गयी थी।

02. उपरोक्त के क्रम में शासन द्वारा उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम को निर्माण ईकाई नामित किया गया एवं ततक्रम में उक्त योजना हेतु स्वीकृत लागत रू0 2273.88 लाख के सापेक्ष रू0 775.00 लाख शासकीय एवं रू0 800.00 लाख यू0टी0यू0 अंश सहित कुल धनराशि रू0 1575.00 लाख कार्यदायी संस्था को अवमुक्त किये गये थे जिसके सापेक्ष उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध करा दिया गया साथ ही उक्त संस्थान की स्थापना हेतु क्रय की गयी निजी भूमि के लिये विश्वविद्यालय द्वारा भवन निर्माण के अतिरिक्त रू0 140.00 लाख (रू0 एक करोड़ चालीस लाख) की धनराशि भी वहन की गयी है।

03. उक्त संस्थान में वर्तमान में निर्माण की स्थिति निम्न अनुसार है :–
    01. ब्लॉक प्रथम पूर्ण (2803 वर्ग मीटर)।
    02. ब्लॉक द्वितीय पूर्ण (670 वर्ग मीटर)।
    03. ब्लॉक तृतीय 2046 वर्ग मीटर के नींव कार्य कार्य पूर्ण,भूतल, प्रथम तल में एल0जी0एस0एफ0 का कार्य धनाभाव के कार्य बाधित है।
    04. ब्लॉक चार (2046 वर्ग मीटर) के नींव कार्य कार्य पूर्ण एवं अन्य कार्य बाधित।
    05. ब्लॉक पांच (2475 वर्ग मीटर आर0सी0सी0) अभी आरम्भ नही किया गया है।

मा0 कुलपति, वीर माधों सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, देहरादून की अध्यक्षता में भौतिक निरीक्षण किया गया। भौतिक निरीक्षण मे यह पाया गया कि सम्बन्धित संस्थान में प्रथम ब्लॉक लगभग 2803 वर्ग मीटर तथा ब्लॉक द्वितीय 670 वर्ग मीटर विगत दो तीन वर्षो से निर्माण कार्य पूर्ण है

। संस्थान संचालन न होने की स्थिति में सम्बन्धित निर्मित भवन में कुछ टूट–फूट हो गयी है जिसक अनुरक्षण कर इन निर्मित भवनों में संस्थान का संचालन किया जा सकता है।

04 :– विश्वविद्यालय के अन्य संघटक संस्थानों का संचालन एवं उनके द्वारा तकनीकी क्षेत्र में वर्तमान मे प्रभावी योगदान न होने के अनुभव के दृष्टिगत उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2005 व संशोधित अधिनियम 2009 की धारा 27 के अनुसार विश्वविद्यालय, राज्य सरकार के पूर्व अनुमोदन से किसी विषय में शिक्षण एवं अनुसंधान कार्य के आयोजन तथा संचालन हेतु एक या एकाधिक संस्थान स्थापित कर सकेगा के व्यवस्था के अन्तर्गत प्रौद्योगिकी संस्थान बौन उत्तरकाशी संस्थान को विश्वविद्यालय के कैम्पस संस्थान के रूप में सचांलित किया जाना प्रस्तावित है।

05 :– वर्तमान में कोविड–19 के दृष्टिगत कम्प्यूटर सांइस एण्ड इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में असीम सम्भावनाओं के दृष्टिगत विभिन्न निजी विश्वविद्यालय एवं अन्य इंजीनियरिंग संस्थान कम्प्यूटर सांइस एण्ड इंजीनियरिंग तथा Artificial Intelligence के क्षेत्र में पाठ्यक्रम संचालित कर रहे हैं।

अतः उपरोक्तानुसार विश्वविद्यालय को कैम्पस संस्थान के रूप में प्रौद्योगिकी संस्थान बौन उत्तरकाशी में वर्तमान सत्र से ही निम्न 02 कोर्स संचालित किये जाने प्रस्तावित है :

01- **B.Tech in Computer Science & Engineering - प्रवेश क्षमता – 180**

02- **B.Tech in Computer Science & Engineering (Artificial Intelligence and Machine Learning - प्रवेश क्षमता – 60**

कैम्पस संस्थान के रूप में संचालन किये जाने पर सम्बन्धित पाठयक्रमों हेतु ए0आई0सी0टी0ई0 से अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होगी एवं विश्वविद्यालय द्वारा उक्त संस्थान को गुणवत्ता पूर्वक संचालित किया जायेगा। भविष्य मे निर्माण कार्य पूर्ण होने पर औद्योगिक मांग एवं रोजगार की आवश्यकता के दृष्टिगत अन्य पाठयक्रम भी संचालित किये जाने हेतु प्रस्तावित किये जायेगे।

(6) वर्तमान में उक्त संस्थान को संचालन की स्थिति में लाने हेतु फर्नीचर/साज–सज्जा आदि कि नियमानुसार अधिप्राप्ति, बिजली/पानी की व्यवस्था करने एवं वेतन भत्तें आदि के भुगतान हेतु तथा 02 निर्मित भवनों की टूट–फूट को सही करने हेतु लगभग रू0 500.00 लाख (रू0 पांच करोड़ मात्र) की आवश्यकता होगी जिसकी प्रतिपूर्ति छात्रों से प्राप्त होने वाली शुल्क से की जायेगी।

अतः उपरोक्तानुसार प्रौद्योगिकी संस्थान बौन उत्तरकाशी को विश्वविद्यालय के कैम्पस संस्थान के रूप में संचलन करने तथा प्रस्तावित 02 पाठयक्रमों को चलाने व अतिरिक्त संबंधित धनराशि के औचित्यपूर्ण व्यय हेतु प्रस्ताव विद्या परिषद के विचारार्थ एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।

विनिश्चय :–12.18 विश्वविद्यालय द्वारा प्रौद्योगिकी संस्थान बौन उत्तरकाशी को विश्वविद्यालय कैम्पस कालेज के रूप में संचालन के संबंध में अवगत कराया गया एवं **B.Tech in Computer Science & Engineering - प्रवेश क्षमता – 180 B.Tech in Computer Science & Engineering (Artificial Intelligence and Machine Learning - प्रवेश क्षमता – 60** के साथ– साथ शासन/सरकार से समन्वय स्थापित करते हुए उनके सुझाव के अनुसार अन्य पाठयक्रम भी जिनकी संबंधित क्षेत्र में ज्यादा मांग हो के अनुसार वर्तमान सत्र 2022–23 से संचालित किये जाने एवं भविष्य में BBA,BCA,B.Sc (IT) and B.Sc (CS) आदि पाठयक्रमों के संचालन हेतु विद्या परिषद् के माननीय सदस्यों द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु संख्याः–12.19

विश्वविद्यालय में NBA/NAAC Cell के गठन हेतु अनुमोदन।

प्रस्ताव– विश्वविद्यालय से संबद्ध संस्थानों में एआईसीटीई के प्राविधानानुसार विभिन्न पाठयक्रमों का 2024 तक NBA Accreditation प्राप्त किया जाना आवश्यक है इसके अतिरिक्त यू0जी0सी0 एवं अन्य नियामक संस्थानों से विभिन्न अनुदान प्राप्त करने हेतु विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध संस्थानों का NAAC/NBA accreditation आवश्यकता के क्रम में विश्वविद्यालय में Accreditation Cell का गठन सभी संबद्ध संस्थानों को सहयोग तथा मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु किया जाना आवश्यक है। उक्त क्रम मे विश्वविद्यालय में Accreditation Cell के गठन का प्रस्ताव विद्या परिषद के विचारार्थ एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।

विनिश्चय :–12.19 विद्या परिषद् के माननीय सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय में Accreditation Cell के गठन के प्रस्ताव पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु संख्याः–12.20

विभिन्न विशिष्ट तथा सम्मानित सदस्यों के नाम मैधावी छात्र–छात्राओं को मैडल दिए जाने एवं छात्रवृत्ति दिए जाने हेतु विश्वविद्यालय में एक Endowment Fund की स्थापना एवं उससे अर्जित ब्याज से Sponsored Medal संस्थित किये जाने पर अनुमोदन।

प्रस्तावः– विभिन्न संस्थाओं विशिष्ट तथा सम्मानित सदस्यों के नाम से संस्थित मेधावी छात्र–छात्राओं को मैडल दिए जाने एवं छात्रवृत्ति दिए जाने हेतु विश्वविद्यालय में एक Endowment Fund की स्थापना एवं उसे अर्जित ब्याज से मेधावी छात्र–छात्राओं को छात्रवृत्ति तथा गोल्ड मैडल दिया जाना प्रस्तावित है। विश्वविद्यालय द्वारा इस हेतु विश्वविद्यालय एवं संबंधितों जिसको Donor कहा जायेगा के मध्य 01 MOU निष्पादित किया जायेगा जिसमें Donor संबंधित कार्यो हेतु Endowment Fund के रूप में 5 लाख रूपये अथवा तद्समय निर्धारित धनराशि विश्वविद्यालय को दिया जायेगा तथा संबंधित Fund के संचालन हेत Endowment Fund Management Committee का गठन किया जायेगा। विद्या परिषद से अनुरोध है कि उपरोक्तानुसार संलग्न MOU का प्रारूप तथा संबंधित कार्यो पर विचार कर अनुमोदन प्रदान करने का कष्ट करें।

संलग्नक–07

विनिश्चय :–12.20 प्रस्तावित प्रस्ताव पर विद्या परिषद् के माननीय सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय में Sponsored Medal तथा Sponsored Scholorship संस्थित करने एवं इस हेतु प्रस्तुत MOU के ड्राफ्ट पर अनुमोदन प्रदान करने के साथ–साथ निर्धन/अन्य सभी वर्गो हेतु सरकार एवं अन्य संस्थाओं द्वारा चलायी जा रही योजना एवं इस संबंध में किये जा रहे प्रयासों को कियान्वयन के लिए विश्वविद्यालय को अपनी अग्रणी भूमिका के निर्वहन के लिए सुझाव दिए गये।

बिन्दु संख्याः–12.21

Graduate exit survey प्रारम्भ करना।

प्रस्तावः– विश्वविद्यालय एवं संम्बद्ध संस्थानों से उत्तीर्ण छात्र–छात्राओं के फीड बैक प्राप्त करने के क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा Graduate exit survey प्रारम्भ किया गया है तथा प्राप्त सुझावों का नियमानुसार कियान्वयन प्रस्तावित है कृत कार्यवाही अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

विनिश्चय :–12.21 विद्या परिषद् के माननीय सदस्यों द्वारा Graduate exit survey किये जाने की कार्यवाही एवं इसके द्वारा प्राप्त फीडबैक के अनुसार आगामी कार्ययोजना तैयार करने पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु संख्याः–12.22

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कार्यक्रमों के गुणात्मक सुधार हेतु फीड बैक प्रणाली स्थापित करने का अनुमोदन।

प्रस्ताव– विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न कार्यों में उत्कृष्टता एवं पारदर्शिता लाने के क्रम में फीड बैक प्रणाली स्थापित करने के उददेश्य से Parent Feedback Form, Employer/Recruiter Survey Feedback Form, Teacher's Feed Back Form, Parent Feedback on curriculum, Feedback form for Teacher Evaluation by student, आदि तैयार किये गये हैं। संबंधित Feedback Forms के प्रारूप विद्या परिषद के समक्ष विचारार्थ एवं अनुमोदनार्थ।

संलग्नक–08 से 12

विनिश्चय :–12.22 विद्या परिषद् के माननीय सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय के सभी संस्थानों में फीडबैक प्रणाली स्थापित करने एवं प्रस्तुत फीडबैक फार्म के प्रारूपों पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु संख्याः–12.23

विश्वविद्यालय में BBA,BCA,B.Sc (IT) and B.Sc (CS) के संचालन पर विचार।

प्रस्ताव– विश्वविद्यालय में वर्तमान में MBA, MCA पी0जी0 पाठयक्रम संचालित है लेकिन इनसे संबंधित यू0जी0 पाठयक्रम जैसे BBA,BCA, आदि संचालित नहीं हैं। इसके अतिरिक्त बी0एस0सी (सूचना प्रौद्योगिकी) तथा बी0एस0सी (कम्प्यूटर साइंस) पाठयक्रम भी तकनीकी पाठयक्रमों से संबंधित है। अतः BBA,BCA,B.Sc (IT) and

B.Sc (CS) पाठ्यक्रमों का संचालन विश्वविद्यालय द्वारा किया जाना प्रस्तावित है जिससे यू0जी0 एवं पी0जी0 पाठ्यक्रमों की पाठ्यचर्या आपस में सामाजस्य के साथ–साथ पूर्व से उपलब्ध अवस्थापना सुविधाओं का मानकों के अनुसार उचित उपयोग किया जा सके। तकनीकी विश्वविद्यालय होने के क्रम में संबंधित तकनीकी पाठ्यक्रमों को विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किये जाने के लिए विद्या परिषद के समक्ष प्रस्ताव विचारार्थ एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है। अनुमोदन की अवस्था में संबंधित प्रस्ताव कार्य परिषद के समक्ष रखा जायेगा एवं नियमानुसार परिनियमावली एवं अधिनियम आदि में संशोधन की आवश्यकता के क्रम में आवश्यक संशोधन किये जाने की कार्यवाही की जायेगी।

विनिश्चय :–12.23 विद्या परिषद् के माननीय सदस्यों द्वारा प्रस्ताव पर अनुमोदन के साथ–साथ इस संबंध में विश्वविद्यालय द्वारा भविष्य में की जाने वाली सभी आवश्यक कार्यवाही किये जाने पर अपना अग्रिम अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु संख्याः–12.24

विश्वविद्यालय द्वारा Online Certificate Programme संचालित करने का प्रस्ताव।

प्रस्तावः– विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2022–23 से वर्तमान में संचालित सभी पाठ्यक्रमों को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की भावना के अनुरूप Choice Based Credit प्रणाली के आलोक में परिमार्जित किया गया है जिसमें वर्तमान औद्योगिक व तकनीकी आवश्यकताओं तथा भविष्य की सम्भावनाओं के दृष्टिगत पाठ्यक्रम व पाठ्यचर्या निर्मित की गई है। इससे नव प्रवेशित छात्रों के पाठ्यक्रमों में गुणवत्ता संवर्द्धन होगा जो उनके द्वारा पाठ्यक्रम अवधि के उपरान्त परिलक्षित होगा। परन्तु वर्तमान में विश्वविद्यालय के सभी सम्बद्ध महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों के पाठ्यक्रम में गुणवत्ता संवर्द्धन की नितान्त आवश्यकता है ताकि उन्हें तात्कालिक औद्योगिक व तकनीकी आवश्यकताओं के अनुरूप दक्ष बनाया जा सके।

उपरोक्त के आलोक में विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न पाठ्यक्रमों में पूर्व से अध्ययनरत छात्रों हेतु नये पाठ्यक्रमों में प्रस्तावित माइनर की व्यवस्था अनुसार रोजगारपरक विषयों का अध्ययन–अध्यापन ऑनलाइन/ऑफलाइन कराया जाना प्रस्तावित है। इसके अन्तर्गत विश्वविद्यालय द्वारा चिन्हित बृहद Specialization यथा– Data Science, IOT, Machine Learning, Robotics, Automation आदि में चिन्हित पांच (5) विषयों को अध्यापित करा के विश्वविद्यालय स्तर से परीक्षा लेने के उपरान्त प्रमाण पत्र दिया जा सकता है। इससे विभिन्न कोर इंजीनियरिंग विधाओं व अन्य पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्रों को

अपने नियमित अध्यापन कार्यक्रम के साथ विशिष्ट योग्यता धारण (Specialization) करने का प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा लेकर दिया जायेगा जिससे वर्तमान में अध्ययनरत छात्रों की Computer, IT Automation, Cyber आदि क्षेत्रों में रोजगार के नये अवसर खुलेंगे।

उक्त हेतु विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन/ऑफलाइन आधार पर विशिष्ट योग्यता प्रमाणीकरण हेतु कक्षाओं के संचालन का कार्यक्रम चुनिंदा सम्बद्ध संस्थानों में उनकी क्षमता के अनुसार किया जा सकता है। ऐसी कक्षाएं रविवार अथवा अवकाश दिनों में निर्धारित अध्ययन केन्द्रों द्वारा घोषित कार्यक्रम अनुसार (30–50 घंटे) ऑनलाइन/ऑफलाइन मोड में संचालित की जायेगी। इस हेतु अनुमन्य शुल्क व पाठ्यक्रम का निर्धारण विश्वविद्यालय द्वारा किया जायेगा।

अंत में विश्वविद्यालय द्वारा अध्ययनरत केन्द्रों द्वारा अध्यापित छात्रों को प्रमाण पत्र देने हेतु ऑनलाइन परीक्षा लेकर छात्रों की विशिष्ट योग्यता प्रमाणीकरण किया जायेगा।

उपरोक्तनुसार विश्वविद्यालय में Online Certificate Programme संचालित करने हेतु प्रस्ताव विचारार्थ एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।

विनिश्चय :–12.24 विद्या परिषद् के माननीय सदस्यों द्वारा प्रस्तुत Online Certificate Programme के संचालन पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु संख्याः–12.25

टी0एच0डी0सी0–आई0एच0ई0टी0 के संचालन के संबंध में।

प्रस्तावः– दिनांक 01 सितम्बर 2022 को श्री विजय बहुगुणा, डिप्टी जनरल मैनेजर (इलैक्ट्रिकल) टी0एच0डी0सी0 इण्डिया लि0 द्वारा कुलपति महोदय को दूरभाष (892317490) से अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय और टी0एच0डी0सी0 इण्डिया लि0 के मध्य हुए समझौता ज्ञापन (एम0ओ0यू0) के तहत टी0एच0डी0सी0 इंजीनियरिंग संस्थान का संचालन किया जाना चाहिए। इस संबंध में विश्वविद्यालय और टी0एच0डी0सी0 इण्डिया लि0 के बीच दिनांक 10–05–2011 को हुए हस्ताक्षरित एम0ओ0यू0 के बिन्दु संख्या–2A,B के प्रावधान निम्नवत हैं। एम0ओ0यू0 की प्रति सुलभ संदर्भ हेतु संलग्न है।

2- Rule and Responsibilities

(a) The institute will be run by the UTU as a constituent College of the University/Institute of UTU and no financial liability shall devolve on THDCIL.

(b) UTU shall run the Institute in self finance mode and shall meet all recurring expenses incurred on staff remuneration, purchase of consumables R&M of facilities etc.

प्रस्तावित है कि सन्दर्भित संस्थान को विश्वविद्यालय व टी0एच0डी0सी0 इण्डिया लि0 के मध्य हुए एम0ओ0यू0 के प्रावधानों के अन्तर्गत संचालित करने पर विचार कर इसे Institute of UTU (इस्टीट्यूट ऑफ उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय) के रूप में पूनर्गठित करने की कार्यवाही पर विचार कर अनुमोदन प्रदान करने का कष्ट करें।

संलग्नक–13

विनिश्चय :–12.25 विद्या परिषद् के माननीय सदस्यों द्वारा एम0ओ0यू0 के अनुसार संस्थान को Institute of UTU (इस्टीट्यूट ऑफ उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय) अर्थात विश्वविद्यालय के कैम्पस कालेज के रूप में संचालित किये जाने पर सहर्ष अनुमोदन प्रदान किया गया।

इति, बैठक धन्यवाद प्रस्ताव के साथ समाप्त हुई।

(आर0पी0 गुप्ता)
कुलसचिव

(डा0 ओंकार सिंह)
कुलपति

संलग्नक—01

दिनांक 30.04.2022 को वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय देहरादून की सम्पन्न हुई "विद्या परिषद" की 11वीं बैठक का कार्यवृत्त।

दिनांक 30.04.2022 को मा0 कुलपति महोदय की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय, देहरादून के कॉन्फ्रेन्स हाल में विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् की 11वीं बैठक आहूत की गयी, जिसमें निम्नॉकित मा0 सदस्यगण एवं अन्य आमंत्रित सदस्य उपस्थित रहे।

(क) कुलपति, वीर माधो सिंह उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, —अध्यक्ष।
(ख) विश्वविद्यालय के ऐसे पांच प्राचार्य जो कार्यपरिषद् के सदस्य न हो:
(2) डॉ0 आर0पी0एस0 गंगवार, निदेशक डब्लू.आई.टी.। —सदस्य
(3) डॉ0 सतेन्द्र सिंह, निदेशक,बी0टी0के0आई0टी0 द्वाराहाट । (online) —सदस्य
(4) डॉ हरप्रीत सिंह ग्रेवाल निदेशक,डी.बी.एस. कालेज देहरादून। —सदस्य
(5) डॉ0 अमित बन्सल, निदेशक जे.बी.आई.टी कालेज देहरादून। —सदस्य
(6) डॉ0 अभय कुमार शर्मा, निदेशक बी.आई.एस भीमताल । (online) —सदस्य
(घ) गोबिन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर के कुलपति द्वारा नाम निर्दिष्ट उस विश्वविद्यालय का एक विभागाध्यक्ष।
(7) डॉ0 अलक नन्दा अशोक, डीन कालेज ऑफ टेक्नॉलोजी पन्तनगर --सदस्य
(ड) कुलसचिव उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय, देहरादून। --पदेन सचिव
(अ) परीक्षा नियंत्रक, तकनीकी विश्वविद्यालय देहरादून। — आंमत्रित सदस्य
(ब) वित्त नियंत्रक, तकनीकी विश्वविद्यालय देहरादून। — आंमत्रित सदस्य
(स) श्री सुनील कुमार , परीक्षा विभाग। -- आंमत्रित सदस्य
(द) डॉ0 विशाल रमोला, तकनीकी विश्वविद्यालय देहरादून। — आंमत्रित सदस्य

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ करने से पूर्व कुलसचिव द्वारा विद्या परिषद् के नामित सदस्यों का स्वागत किया गया। मा0 कुलपति महोदय द्वारा विश्वविद्यालय की शैक्षिक, प्रशासनिक गतिविधियों इत्यादि पर संक्षेप में बताया गया तथा पूर्व में आने वाली समस्याओं, उनके निदान एवं भविष्य की कार्ययोजना पर प्रकाश डाला गया। कुलसचिव द्वारा दिनांक 25—02—2021 को सम्पन्न हुई 10 वीं बैठक के एजेण्डा पर कृत कार्यवाही से मा0 सदस्यों को अवगत कराया गया। तद्पोरान्त मा0 सदस्यों के समक्ष एजेण्डा प्रस्तुत किया गया, जिसका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:—

बिन्दु सं0—11.01

(क) विद्या परिषद की 10वीं बैठक के कार्यवृत्त का अनुमोदन प्रदान किया गया ।

(ख) विद्या परिषद की दिनांक 25—02—2021 को संपन्न हुई बैठक में लिये गये निर्णयों के संबंध में कृत कार्यवाही की सूचना दी गयी। कृत कार्यवाही पर मा0 सदस्यों द्वारा सतोष व्यक्त किया गया ।

बिन्दु संख्या:—11.02

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का छठवां दीक्षांत समारोह के आयोजन का अनुमोदन।

प्रस्तावः— मा0 श्री राज्यपाल/कुलाधिपति महोदय द्वारा दिनांक 13 मई 2022 को विश्वविद्यालय का छठवॉ दीक्षांत समारोह आयोजित करने हेतु अनुमति प्रदान की गई है। तत्क्रम में निम्नानुसार प्रस्तावित है।

(1) विश्वविद्यालय के ओडिटोरियम में दीक्षांत समारोह के आयोजन हेतु मा0 सदस्यों की सहमति प्रार्थनीय है।

(2) विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण सभी यू.जी./पी.जी. उपाधि धारकों को सत्र 2016–17, 2017–18, 2018–19, 2019–2020 एवं 2020–2021 की उपाधियां तथा वर्ष 2017 से वर्ष 31 मार्च 2022 तक के पी.एच.डी. धारकों को पी.एच.डी. की उपाधि दिये जाने का प्रस्ताव अनुमोदनार्थ।

(3) उक्त दीक्षांत समारोह में आमंत्रित सदस्यों का सूक्ष्म विवरण, माननीय सदस्यों के अवलोनार्थ/अनुमोदनार्थ।

(4) दीक्षांत समारोह का क्षण–प्रतिक्षण अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

विनिश्चय :–11.02 विद्या परिषद् के माननीय सदस्यों द्वारा प्रस्तानुसार अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु संख्याः–11.03

विश्वविद्यालय से सत्र 2016–17, 2017–18, 2018–19, 2019–20 एवं सत्र 2020–21 में उत्तीर्ण छात्र–छात्राओं को उपाधि/मैडल प्रदान किये जाने हेतु माननीय सदस्यों का अनुमोदन।

प्रस्तावः–

(1) वर्ष 2017 से 31 मार्च 2022 तक संलग्न विवरण के अनुसार कुल 308 पी.एच. डी. उपाधि धारकों को पी0एच0डी0 की उपाधि प्रदान किये जाने का अनुमोदन।

(2) सत्र 2016–17 से 2020–2021 तक विभिन्न यू.जी./पी.जी. पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण 38791 छात्र–छात्राओं को उपाधियां प्रदान किये जाने का अनुमोदन।

(3) सत्र 2017 से 2021 तक के विभिन्न यू.जी./पी.जी. पाठयकमों के टॉपर 66 छात्र–छात्राओं को गोल्ड मैड़ल प्रदान किये जाने का अनुमोदन।

विनिश्चय :–11.03 विद्या परिषद् के माननीय सदस्यों द्वारा प्रस्तानुसार अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु संख्याः–11.04

ग्रीष्मकालीन सेमेस्टर से बिपिन त्रिपाठी कुमायूं इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी, द्वाराहाट कॉलेज की परीक्षाओं का विश्वविद्यालय से आयोजन।

प्रस्ताव– बिपिन त्रिपाठी कुमायूं इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी, द्वाराहाट, संस्थान के अनुरोध पर विश्वविद्यालय द्वारा पूर्व शैक्षिक सत्रों में शैक्षिक स्वायत्तता विस्तार करने हेतु अनुमोदन इस आशय से प्रदान किया गया कि संस्थान की शैक्षिक गतिविधियां संचालित हो सके लेकिन 05वर्ष पश्चात् भी Accredition हेतु संस्थान द्वारा NBA Accredition प्राप्त नहीं किया जा सका। उक्त के कम में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देश अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा NBA Accredition के अभाव में शैक्षिक स्वायत्तता विस्तार करना संभव नहीं है। सम्यक विचारोपरान्त मा0 कुलपति महोदय के उपरान्त छात्रहित एवं संस्थान हित में विश्वविद्यालय द्वारा अपने पत्र संख्या–2444/वी.मा.सिं.भा.उ.प्रो.वि.वि./2022, दिनांक 21/02/2022 द्वारा विशेष परिस्थिति में व समय अभाव के कारण शीतकालीन परीक्षा (2021–22) के विषम सेमेस्टर की परीक्षा पूर्व की भांति आयोजित कराये जाने की अनुमति प्रदान की गयी। सम–सेमेस्टर की परीक्षाएं विश्वविद्यालय स्तर से आयोजित की जायेगी का तदनुसासर अनुमोदन।

विनिश्चय :–11.04 विद्या परिषद् के माननीय सदस्यों द्वारा प्रस्तानुसार अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु संख्याः–11.05

ऐसे छात्रों का प्रस्ताव जिनकी कोर्स समयावधि समाप्त हो चुकी है, उनको परीक्षाओं में बैठने हेतु विशेष अनुमति हेतु अनुमोदन।

प्रस्ताव– कोविड–19 एवं गम्भीर बीमारियों से ग्रसित होने के कारण एम.टैक. के छात्र–छात्राएं ऑर्डिनेंस के अनुसार निर्धारित समय में अपनी द्वितीय वर्ष की परीक्षा में सम्मिलित न हो सकने के कारण अपना कोर्स पूर्ण नहीं कर पायें हैं। कोविड़–19 के दृष्टिगत विशेष परिस्थिति में परीक्षा में सम्मिलित होने का एक अवसर प्रदान किये जाने का अनुमोदन। छात्रों का विवरण संलग्न है।

(1)	प्रेम प्रकाश	–	CSE	-	2018
(2)	अंकित तिवारी	–	PSE	-	2018
(3)	सुजाता कोहली	–	VLSI	-	2018
(4)	दिव्य राणा	–	CSE	-	2018
(5)	साधना भट्ट	–	CSE	-	2018
(6)	गौरव मेहरा	–	Civil	-	2017
(7)	अवतरित कुमार धीमान	–	Civil	-	2018

विनिश्चय :–11.05 प्रस्ताव पर इस आशय से अनुमोदन दिया गया है उक्त छात्र–छात्राओं को अवगत कराया जाए कि विशेष परिस्थितियों में कोविड़–19 महामारी को दृष्टिगत रखते हुए इनको अंतिम अवसर प्रदान किया जा रहा है। भविष्य में इसे दृष्टान्त न समझा जाए।

बिन्दु संख्याः–11.06

पी.एच.डी. संबंधी प्रकरण पर चर्चा।

प्रस्ताव– विश्वविद्यालय के शोध पाठ्यक्रम के ई0सी0ई0 विषय में पंजीकृत शोधार्थी श्री सौरभ मिश्रा, जिनका शोध निबन्धन मूल्यांकन हेतु मा0 कुलपति महोदय द्वारा नामित विषय–विशेषज्ञों को प्रेषित किया गया था जिनमें से एक विशेषज्ञ द्वारा मूल्यांकन उपरान्त शोध उपाधि प्रदान किये जाने की संस्तुति प्रदान की गयी थी तथा समय–समय पर नामित अन्य दो विषय–विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन उपरान्त शोध निबन्ध को निरस्त कर दिया गया। उक्त प्रकरण को विश्वविद्यालय की सम्पन्न हुई शोध समिति की प्रथम बैठक दिनांक 4/2/2022 में चर्चा हेतु रखा गया था जिसमें समिति द्वारा प्रकरण को निस्तारित करने के लिए आगामी विद्या परिषद की बैठक में ले जाने हेतु सहमति प्रदान की गयी थी। यह भी अवगत कराना है कि विश्वविद्यालय पी.एच.डी. अधिनियम–2009 के बिन्दु संख्या 17 में व्यवस्था दी गयी है कि शोध निबन्ध के

मूल्यांकन हेतु परीक्षक, शोधार्थी के गाइड द्वारा उपलब्ध करायी गयी परीक्षकों की सूची में से ही नामित किये जायेंगे। परन्तु तत्कालीन कुलपति महोदय द्वारा उपलब्ध सूची से अन्यत्र एक परीक्षक नामित किया गया। उक्त अनुसार छात्रहित में एक अन्य गाइड नामित करते हुए छात्र को अपने शोध निबन्ध को नामित गाइड के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु अनुमोदनार्थ।

विनिश्चय :–11.06 विस्तृत चर्चा उपरान्त मा0 कुलपति महोदय द्वारा छात्रहित में अन्य विषय विशेषज्ञ को नामित करते हुए शोध निबन्ध को संबंधित विषय विशेषज्ञ के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु प्रस्ताव पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु संख्या:–11.07

शैक्षिक सत्र 2021–22 से गोविन्द बल्लभ पंत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी घुड़दौड़ी, पौड़ी गढ़वाल में संचालित समस्त स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों में ग्रेडिंग आधारित मूल्यांकन प्रणाली(Grading Based Evaluation System) लागू।

प्रस्ताव–

उक्त विषयक संस्थान द्वारा ग्रेडिंग आधारित मूल्यांकन प्रणाली (Grading Based Evaluation System) लागू किये जाने का प्रस्ताव प्रेषित किया गया है, क्योंकि Credit Base System लागू नहीं होने के अभाव में NBA Accreditation न होने से संस्थान को समस्या आ रही है। उक्त के क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न संस्थानों की विशेषज्ञ टीम बना कर टीम की रिपोर्ट के आधार पर संस्थान के Credit Base Grading System के प्रस्ताव को स्वीकृति हेतु अनुमोदनार्थ**(संलग्नक-06)**।

विनिश्चय :–11.07 विद्या परिषद् के माननीय सदस्यों द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

इसके अतिरिक्त बैठक में निम्नवत् अनुमोदन किये गये :–

1– उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय प्रथम विनियमावली 2018 में निम्न व्यवस्था है:–

"विश्वविद्यालय से सम्बन्धित महाविधालयों/संस्थानों में स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 50 प्रतिशत सीटें उत्तराखण्ड के निवासियों के लिए आरक्षित होगी तथा शेष 50 प्रतिशत सीटें अखिल भारतीय कोटे की होंगी एवं स्ववित्त पोषित श्रेणी की होगी, जिनका विश्वविद्यालय द्वारा समय–समय पर निर्धारित किया जायेगा। राज्य के कोटे की सीटें रिक्त रहने पर अखिल भारतीय कोटे से मेरिट के आधार पर भरी जा सकेगी तथा इसी प्रकार अखिल भारतीय कोटे की सीटें रिक्त रहने पर राज्य के कोटे की अभ्यर्थियों से मेरिट के आधार पर भरी जायेगी। सीटें रिक्त रहने पर मेरिट से भरी जायेगी। उक्त समस्त कार्यवाही कार्यपरिषद् के निर्णय के अधीन होगी तथा समय–समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू0जी0सी0)/अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (ए0आई0सी0टी0ई0) अथवा अन्य सम्बन्धित नियामक संस्थाओं से निर्गत सम्बन्धित दिशा–निर्देशों/व्यवस्थाओं का पालन सुनिश्चित किया जायेगा"।

उक्त के क्रम में माननीय सदस्यों द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के छात्र–छात्राओं को प्रवेश हेतु विभिन्न पाठयक्रमों में अधिक सीटे उपलब्ध कराने के दृष्टिगत नियमावली की उक्त धारा में उत्तराखण्ड के निवासियों के लिए 50प्रतिशत सीटों के स्थान पर 75 प्रतिशत सीटे आरक्षित करने हेतु संशोधन किये जाने हेतु अनुमोदन दिया गया और आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।

2– आगामी शैक्षिक सत्र से वीर माधो सिंह भण्डारी स्मृति व्याख्यानों के आयोजन शुरू किये जाने हेतु अनुमोदन किया गया।

3– आगामी दीक्षांत समारोह से बी0टैक0 में सर्वोच्च अंक प्राप्त छात्र–छात्रा को **"वीर माधो सिंह भण्डारी स्वर्ण पदक"** दिये जाने का अनुमोदन किया गया।

4– विश्वविद्यालय के द्वारा वीर माधो सिंह भण्डारी के नाम से मेधावी छात्र–छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा उनके संस्थानों के संस्थापक/अतिविशिष्ट/सम्मानित सदस्यों के नाम से छात्रवृत्ति दिये जाने के नाम से अनुमोदन किया गया।

इति, बैठक धन्यवाद प्रस्ताव के साथ समाप्त हुई।

(आर0पी0 गुप्ता)
कुलसचिव

(डा0 पी0पी0 ध्यानी)
कुलपति

स्पीड पोस्ट

1558
30/8/22

संलग्नक – 02

आवश्यक / महत्वपूर्ण

संख्या : 1739 /जी0एस0(शिक्षा)/A4-135(1)/2017

प्रेषक,

डा0 रंजीत कुमार सिन्हा,
सचिव श्री राज्यपाल/कुलाधिपति।

सेवा में,

कुलपतिगण,

1. वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, देहरादून।
2. कुमांऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल।
3. श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय, बादशाहीथौल, टिहरी गढ़वाल।
4. हेमवती नन्दन बहुगुणा उत्तराखण्ड चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय, देहरादून।

राज्यपाल/कुलाधिपति सचिवालय, उत्तराखण्ड **देहरादून : दिनांक : 18 अगस्त, 2022**

विषय : विश्वविद्यालय से सम्बद्ध संस्थानों की सम्बद्धता विषयक निर्धारित समय–सारिणी के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया आपके विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों एवं संस्थानों के सम्बद्धता प्रस्तावों के विषयक प्रकरणों का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

यह संज्ञानित हुआ है कि कतिपय विश्वविद्यालयों द्वारा निरीक्षण दल के गठन में विलम्ब के कारण सम्बद्धता प्रस्तावों को प्रस्तुत करने में समय लग रहा है, जिससे सम्बद्धता प्रकरणों के निस्तारण में अनावश्यक विलम्ब हो रहा है। यह भी देखा जा रहा है कि पूर्व के सत्रों में परिलक्षित विसंगतियों/कमियों का निराकरण कराये बिना तथा सम्बद्धता आदेश के बिना भी संस्थानों द्वारा छात्रों को प्रवेश दिया जा रहा है तथा विश्वविद्यालय द्वारा इनकी परीक्षायें भी सम्पादित करायी जा रही हैं।

अतः उक्त के दृष्टिगत शैक्षिक सत्र 2023–24 एवं अग्रेत्तर सत्रों हेतु निम्नवत् समय–सारिणी निर्धारित की जाती है :–

1.	संस्थान/महाविद्यालयों से विश्वविद्यालय में प्रस्ताव प्राप्त होने की अन्तिम तिथि	31 अक्टूबर
2.	विश्वविद्यालय स्तर से निरीक्षण मण्डल गठित कर निरीक्षण आख्या उपलब्ध कराते हुए मा0 कुलाधिपति जी को संस्तुति सहित निर्धारित प्रारुप पर प्रस्ताव प्रेषित किये जाने की अन्तिम तिथि	31 जनवरी
3.	कुलाधिपति/राज्यपाल सचिवालय से आपत्तियों का निराकरण किये जाने हेतु निर्देशित करने की समयावधि	विश्वविद्यालयों से प्रस्तावों की प्राप्ति तिथि से अधिकतम एक माह के भीतर
4	विश्वविद्यालय स्तर से त्रुटि निराकरण उपरान्त पुनः प्रस्ताव प्रेषित किये जाने की समयावधि	कुलाधिपति/राज्यपाल सचिवालय से निर्गत पत्र की प्राप्ति/ई0मेल से अधिकतम् एक माह के भीतर
5	मा0 कुलाधिपति स्तर से पूर्वानुमोदन पर अन्तिम निर्णय की समयावधि	त्रुटियों के निराकरण उपरान्त प्राप्त प्रस्तावों की प्राप्ति तिथि से एक माह के भीतर।
6.	विश्वविद्यालय से आदेश निर्गत किये जाने की अन्तिम तिथि	30 जून तक अथवा पूर्वानुमोदन प्राप्त होने से यथासंभव 15 दिवस के भीतर।

Registrar
Please do the needful as per schedule
25/8/2022

313/VC/UTU/22
25/8/2022

SPA File 25/8/2022

क्रमशः

अतः इस सम्बन्ध में कृपया निम्नवत् बिन्दुओं पर कार्रवाई यथाशीघ्र सम्पादित करने का कष्ट करें :–

1. विश्वविद्यालय स्तर पर अस्थाई सम्बद्धता से सम्बन्धित शैक्षिक सत्र 2022–23 तक की जितनी पत्रावलियां उपलब्ध हैं उन्हें 15 सितम्बर, 2022 तक इस सचिवालय को उपलब्ध कराने विषयक कार्रवाई सम्पादित की जाय।

2. आतिथि तक जितनी पत्रावलियों पर मा0 कुलाधिपति महोदय का सम्बद्धता सम्बन्धी पूर्वानुमोदन प्राप्त हुआ है, उनके सम्बन्ध में कार्यपरिषद की बैठक यथाशीघ्र आहूत कर विश्वविद्यालय स्तर से सम्बद्धता आदेश निर्गत किये जाने की कार्रवाई एक माह में सम्पादित कर ली जाय।

3. सशर्त सम्बद्धता प्रकरणों का पुनरीक्षण विश्वविद्यालय द्वारा आवश्यक रुप से सम्पादित किया जाय। जिन बिन्दुओं पर सशर्त सम्बद्धता प्रदान की गई है उनसे सम्बन्धित आपत्तियों के निराकरण विषयक सूचना 02 माह के भीतर अनिवार्य रुप से राजभवन को उपलब्ध करायी जाय। पूर्व की आपत्तियों के निराकरण के अभाव में नवीन सत्र की सम्बद्धता पर विचार नहीं किया जायेगा।

4. नवीन सत्र की सम्बद्धता हेतु विश्वविद्यालय की ओर से गठित किये जाने वाले निरीक्षण मण्डल गठित करते हुए कार्रवाई यथाशीघ्र पूर्ण करायी जाय। इस सम्बन्ध में क्षेत्रवार निरीक्षण मण्डल गठित किये जांय ताकि समयबद्ध रुप से अधिकाधिक संस्थानों का निरीक्षण यथासमय पूर्ण किया जा सके।

5. शैक्षिक सत्र 2023–24 के प्रस्ताव 31 जनवरी, 2023 के उपरान्त राजभवन में स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

6. सम्बद्धता विषयक प्रकरण पर मा0 राज्यपाल/कुलाधिपति महोदय की अध्यक्षता में माह सितम्बर–2022 में एक समीक्षा बैठक आयोजित की जायेगी।

7. विश्वविद्यालय स्तर से निर्गत किये जाने वाले सम्बद्धता विषयक आदेश की प्रति अनिवार्य रुप से राज्यपाल सचिवालय को उपलब्ध करायी जाय।

उक्त के अतिरिक्त बिना सम्बद्धता आदेश के कालेजों एवं संस्थानों में छात्रों के प्रवेश तथा परीक्षा आदि सम्पादित न करायी जाये। इस प्रकार की शिकायत पाये जाने पर सम्बन्धित संस्थान एवं विश्वविद्यालय पूर्ण रुप से स्वयं उत्तरदायी होंगे।

कृपया उक्त निर्देशों का कडाई से पालन सुनिश्चित किया जाय।

संलग्नक : यथोपरि।

भवदीय,

(डा0 रंजीत कुमार सिन्हा)
सचिव श्री राज्यपाल/कुलाधिपति।

संलग्नक-03

वीर माधो सिंह भण्डारी, उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, देहरादून की पी०एच०डी० प्रवेश परीक्षा 2022 आयोजित किये जाने हेतु सम्पन्न हुई बैठक दिनांक 07.07.2022 का कार्यवृत्त

बैठक मा० कुलपति महोदय की अध्यक्षता में दिनांक 07.07.2022 को आहूत हुई एवं बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित रहे:–

1. Finance Controller, VMSB Uttarakhand Technical Univeristy, Dehradun. –**Member.**
2. Prof. Manoj Kumar Panda, Coordinator Ph.D. Porgramme –**Member.**
3. Controller of Examination, VMSB Uttarakhand Technical Univ. Dehradun –**Member.**
4. Sh. Sunil Kumar, Exam Section, VMSB UTU Dehradun. –**Member.**
5. R.P. Gupta, Registrar, VMSB Uttarakhand Technical Univ. Dehradun –**Convenor.**

बैठक प्रारम्भ होने से पूर्व संयोजक द्वारा बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया गया, जिसके उपरान्त बैठक प्रारम्भ की गयी। उक्त बैठक में निम्नलिखित निर्णय लिये गये:–

1. पी०एच०डी० प्रवेश परीक्षा 2022 हेतु विज्ञापन पी०एच०डी० अनुभाग द्वारा तैयार किया जायेगा तत्पश्चात् विश्वविद्यालय द्वारा पी०एच०डी० प्रवेश परीक्षा 2022 हेतु विज्ञापन को प्रकाशित किया जायेगा।

2. बैठक में यह निर्णय लिया गया कि पी०एच०डी० प्रवेश परीक्षा 2022 में English, Chemistry, Physics & Mathematics (Applied Sciences) एवं Law विषयों/पाठ्यक्रमों हेतु कोई लिखित परीक्षा आयोजित नहीं की जायेगी क्योंकि विश्वविद्यालय के पास इन विषयों/पाठ्यक्रमों हेतु पर्याप्त संसाधन नहीं हैं।

3. पी०एच०डी० प्रवेश परीक्षा 2022 हेतु ऑनलाइन आवदेन पत्र आमंत्रित किये जायेंगे जिसका कार्य परीक्षा विभाग द्वारा सम्पादित किया जायेगा।

4. पी०एच०डी० प्रवेश परीक्षा 2022 से सम्बन्धित सभी डाटाबेस परीक्षा अनुभाग द्वारा तैयार किये जायेंगे और लिखित परीक्षा भी परीक्षा अनुभाग द्वारा आयोजित/सम्पादित करायी जायेगी।

5. पी०एच०डी० प्रवेश परीक्षा 2022 की लिखित परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षा परिणाम पी०एच०डी० अनुभाग में साझा किये जायेंगे। तत्पश्चात इस हेतु साक्षात्कार पी०एच०डी० अनुभाग द्वारा आयोजित किया जायेगा।

6. पी०एच०डी० प्रवेश परीक्षा 2022 हेतु आवदेन आदि आमंत्रित करने की ऑनलाइन प्रक्रिया के लिए आवश्यक सेवाएं कोटेशन के आधार पर आमंत्रित करके की जायेंगी।

7. बैठक के दौरान परीक्षा नियंत्रक द्वारा पी०एच०डी० प्रवेश परीक्षा 2022 के आयोजन के सम्बन्ध में यह मुद्दा भी उठाया गया कि वह लगभग 15 अगस्त 2022 तक सम सेमेस्टर परीक्षाओं के कार्यों में व्यस्त हैं अतः पी०एच०डी० प्रवेश परीक्षा 2022 उसके उपरान्त ही आयोजित की जा सकेगी।

8. मा० कुलपति महोदय एवं सभी सदस्यों द्वारा उपरोक्त पर अपनी सहमति जतायी गयी कि परीक्षा नियंत्रक सम सेमेस्टर परीक्षाओं के कार्य समाप्त होने के बाद पी०एच०डी० प्रवेश परीक्षा 2022 के आयोजन से सम्बन्धित प्रक्रिया प्रारम्भ कर सकते हैं।

9. बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि University Management System/ERP तैयार करने व तद्नुसार टेण्डर तैयार करने हेतु समय लगेगा। अतः सत्र 2022–23 में पी०एच०डी० प्रवेश परीक्षा ऑनलाइन सम्बन्धी कार्य, यू.के.एस.ई.ई. काउंसलिंग सम्बन्धी कार्य अधिप्राप्त नियमावली में निहित व्यवस्था के अनुसार कोटेशन के माध्यम से किये जायेंगे। इसके अतिरिक्त इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष में प्रवेश सम्बन्धी कार्य NIC के माध्यम से उनके निर्धारित दरों पर कराया जायेगा।

अन्त में कुलसचिव/संयोजक ने मा० कुलपति महोदय एवं सभी सदस्यों का आभार प्रकट करते हुए बैठक समाप्ति की घोषणा की।

(आर० पी० गुप्ता)
कुलसचिव

(प्रो० पी० पी० ध्यानी)
कुलपति

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, देहरादून
कार्यालय पताः सुद्धोवाला, पो०ऑ०–चंदनवाड़ी (प्रेमनगर), चकराता रोड़, देहरादून–248007
Website: www.uktech.ac.in

पत्रांक : 1152/यूटीयू/2022 दिनांक : 20/07/2022

प्रतिलिपि :–निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतुः–

1. निजी सचिव, कुलपति को, मा० कुलपति महोदय के सादर संज्ञानार्थ।
2. वित्त नियंत्रक, वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, देहरादून।
3. परीक्षा नियंत्रक, वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, देहरादून।
4. शोध समन्वयक, वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, देहरादून।
5. श्री सुनील कुमार, परीक्षा विभाग, वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, देहरादून।

(आर० पी० गुप्ता)
कुलसचिव

संलग्नक – 04

Memorandum of Understanding

This Memorandum of Understanding (MOU) is entered between Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University, Dehradun, Uttarakhand - 248007 herein after called UTU.

And

Nehru Institute of Mountaineering, Uttarkashi, Uttarakhand 249151 herein after called NIM.

Recital and Scope:

Sharing a common desire to extend and strengthen the functional relationship between Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University, Dehradun and Nehru Institute of Mountaineering, Uttarkashi we undersigned, mutually agree to share available expertise at our respective institutions, viz. by signing a MOU and wish to initiate collaboration in different disciplines.

Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University, Dehradun (formerly Uttarakhand Technical University) was established on 27th January 2005 by State Govt. of Uttarakhand through the Uttarakhand Technical University Act no 415 of 2005. The UTU campus is situated at NH-72 Suddhowala, Prem Nagar, Dehradun. Dehradun is the State capital of Uttarakhand well connected through Rail, Road and Air transport. The University has been established in an area of 8.372 hectare and it is the only affiliating University of the state for technical institutions. Presently, the University imparts undergraduate, post graduate, and doctoral programmes in various disciplines like Architecture, Engineering, Management, Hotel Management, Computer Application, Law, and Pharmacy. The University is also serving the technical education through its part time Ph.D programme especially designed for the teachers, professionals, and scientists by giving them opportunity to explore the untouched area of the research. The University runs M.Tech., M.Pharm., M.B.A. full time programmes and M.B.A. part time programme in its own campus in various disciplines. The University is spreading technical and professional education in the remote underprivileged area of Uttarakhand hills.

The purpose of this MOU is to foster collaboration, on the development of mountaineering and geographical information system in India and to facilitate advancement of knowledge on basis of reciprocity, best effort, mutual benefit and frequent interaction, UTU and NIM agree to explore the possibility of engaging in following modes of collaboration.

a) To establish a close linkage and functional coordination between UTU and NIM for mutual cooperation towards the development of mountaineering and geographical information system in India

b) Exchange of information on research, teaching, learning materials and other literature relevant to their education and research programmes on mountaineering and geographical information system in India.

c) Joint organization of the symposiums, seminars, conferences, workshops and short-term continuing education programs on topics of mutual interest.

d) Joint proposal and engagement in research or training programs, while extending invitations to each other's faculty to participate therein on mountaineering, outdoor activities, filed expeditions, high altitude research on environment, ecology, weather and geographical information system in India.

e) Host faculty for limited periods of time for the purposes of continued collaboration and during education and mountaineering, outdoor activities, filed expeditions, high altitude research on environment, ecology, weather and geographical information system in India.

UTU and NIM agree that the following technical description will guide each proposed activity identified and agreed upon by the three institutions.

Terms of any financial arrangements will be subject to separate agreements made on a case by case basis; such as further agreements will include name of those persons responsible for managing the implementation etc of collaborative activity.

Both parties of this MOU agree to act in good faith and in a spirit of mutual understanding and accommodation to facilitate the achievement of goals set under this MOU.

A. Research Collaboration:

UTU and NIM will encourage collaboration in extramural research projects. UTU and NIM will provide facilities to faculty members of NIM and UTU for educational purposes. Technical education activities and grant sharing between UTU and NIM shall be mutually agreed upon while submitting such proposal to funding agencies/ fund.

a. Outcome of joint education programs and research in terms of research papers, technical specifications products, etc will be jointly shared by individuals of both organizations.

B. Academic activities:

UTU and NIM agree to seek means of identifying and inviting faculty members from each other's institutions to participate in conferences workshops, short courses and mountaineering, outdoor activities, filed expeditions, high altitude research on environment, ecology, weather and geographical information system in India. Conditions for such participation would be worked out by

mutual agreement between invited faculty member(s) and the institution extending such an invitation.

C. Exchange of thoughts and technical material and data

UTU and NIM will examine ways of exchanging information on research and education programs and teaching / learning material and other literature relevant to their education and research programmes and mountaineering, outdoor activities, filed expeditions, high altitude research on environment, ecology, weather and geographical information system in India. Both the institutions agree to explore ways to share teaching/learning material and other relevant literature, subject to each institution's policy on intellectual property and publication under intellectual property rights exists in India.

No party to this memorandum shall use name, logo or any other designation of any of other parties without prior written consent.

D. Co-ordination

Following arrangement is suggested for co-ordination of collaboration:

Each of the institution UTU and NIM shall appoint one member of its teaching/research faculty to coordinate the programme on its behalf. A coordination committee, consisting of
(a) Vice Chancellor of UTU or his nominee.
(b) Principal of NIM or his nominee,
(c) Programme Coordinator from UTU nominated by Vice Chancellor of UTU.
(d) Programme Coordinator from NIM nominated by Principal of NIM
This coordination committee will periodically review and identify ways to strengthen cooperation between the two institutions.

E. **Tenure, Amendment and Termination**

This MOU will take effect from date it is signed by representatives of two institutions. It will remain valid for a period of one year. This MOU will be reviewed after one year.

Terms of this MOU may be amended by mutual written agreement prior to date of review. Any extension to this MOU will be formally agreed in writing by Parties.

Either Institution may terminate MOU by giving written notice to other institution three months' in advance.

Once terminated, neither UTU nor NIM will be responsible for any losses, financial or otherwise, which other Institutions may suffer. However, UTU and

NIM will ensure that all activities in progress are allowed to complete successfully.

F. Indemnity

Each Party shall defend indemnify and hold harmless the other Party, including each of their respective officers, instructors, representatives, agents, successors and assigns from and against all claims of third parties, and all associated losses, to the extent arising out of (a) a Party's gross negligence or wilful misconduct in performing any of its obligations under this Agreement, or (b) a material breach by a Party of any of its representations, warranties, covenants or agreements under this MOU.

G. Arbitration Clause

Should there be a dispute relating to any aspect of academic and research collaboration, Vice Chancellor of UTU, and Principal NIM will jointly resolve dispute in a spirit of independence, mutual respect and shared responsibility.

H. Jurisdiction

Courts in Uttarkashi, Uttarakhand shall have exclusive jurisdiction

This MOU is executed in three copies, each to be retained by respective parties to form one and single document.

IN WITNESS WHEREOF, authorized representatives of parties signed this MOU as of day and year mentioned herein:

Signatures of Witnesses with names and affiliation

1.

2.

For Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University, Dehradun

Name:
Designation:
Date:
Signature & Seal:

For Nehru Institute of Mountaineering, Uttarkashi

Name:
Designation:
Date:
Signature & Seal:

Proposed
PG Diploma in Mountaineering and Adventure Technology
(One year PG Diploma)

Introduction:

Over the last few decades, there is growing interest in adventurism worldwide. Lot of adventures are undertaken on the earth such as in mountaineering, under the water such as diving in deep sea, and in the sky like space missions around the world. Some do it for the sake of amusement while a large section does it for discoveries and research in unexplored areas. In the present time, all of these initiatives are using engineering and technology extensively. With the technological advancements the adventurism is becoming easier, nevertheless it requires thorough understanding of the physiological requirements, weather conditions and weather forecasts, geographical conditions, flora and fauna, usage of equipment and gadgets, communication systems, etc. depending upon the specific adventure mission.

Considering the over the earth explorations, the mountains happen to be one of the key exploratory regions. In specific context to India, there are around 50 summits with at least 500 meters of topographic prominence. Out of these 18 are present in Uttarakhand state. Also, the Uttarakhand is blessed to have the highest of all i.e. Nanda Devi in Garhwal Himalayas with 25643 ft height followed by the Garhwal Himalayas having Kamet summit with height of 25446 ft, Mana Peak of 23858 ft, Mukut Parbat of 23760 ft, Hardeoi of 23494 ft. in Kumaon Himalaya and 13 more like this. Therefore, the mountaineering becomes indispensable for exploring the rich Himalaya ranges and other mountain ranges in India and abroad.

Therefore, the mountaineering and adventure technology are two integrated areas needing technological solutions for easing out the climbing and making it safe and reliable.

Objective:

One year PG Diploma in Mountaineering and Adventure Technology aims at training the engineers, technologists, and other science graduates to pursue career in mountaineering and adventurism to be part of different exploratory and rescue missions across.

Duration:

One year comprising of two semesters out of which class room teaching will be held in campus of Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University, Dehradun and field training will be held at Nehru Institute of Mountaineering, Uttarkashi.

Regulations of the "UTU Alumni Association"

Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University, Dehradun

A) OBJECTIVE: UTU Alumni Association is the association of ex-students of Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University, Dehradun (VMSBUTU). It aims at strengthening the networking among ex-students and contribute for well being of each other along with contributing for betterment of VMSBUTU in all possible ways and its students professionally

B) Eligibility and type of memberships:

1. A person is eligible to become "Life member" of Alumni Association of VMSB **Uttarkhand Technical University (VMSBUTU)** if he/she studied in the constituent/affiliated /autonomous colleges/institutions University and obtained a Degree from VMSBUTU, by paying fees as applicable.
2. Donor Member: Anyone Interested in supporting the activities of UTU Alumni Association of VMSB Uttarakhand Technical University is eligible to become a Donor member.

C) General Body:

1- All Life members of the UTU Alumni Association will be constituting General Body.

2- Annual General Body will meet once in a year preferably at the time of annual Alumni Meet, however Executive Committee itself or at least 25 Life members can request Executive Committee to hold special General Body meeting for discussing notified agenda.

General Body is responsible for:-

(i) To pass the budget for the ensuring year and approve the expenditure statement of previous year.

(ii) To approve the activities and reports of the activities of the Association.

(iii) To elect the Executive Committee in alternate years i.e. tenure of elected Executive Committee will be of two years w.e.f. date of taking over of charge.

D) Executive Committee: Executive Committee (EC) shall be executive body of the UTU Alumni Association and will be elected in alternate years for tenure of 2 years. It shall consist of the following office bearers who shall be elected by the Life members of the Association i.e. one each of President, Vice –President, Secretary, Joint Secretary and Treasurer and the remaining 6 nos. of the Executive Committee Members. There shall be a Patron of the Executive Committee. Vice Chancellor of VMSB Uttarakhand Technical University, Dehradun shall be the ex-officio Patron of the UTU Alumni Association and have authority to intervene in any activity of the Association, if these are any way detrimental to the interest of the VMSBUTU. The University reserves all authority considered to be withhold any decision taken by the EC of UTU Alumni Association; nevertheless such situation should be avoided.

The outgoing Members of the Executive Committee shall be duty bound to hand over charge of office of each of the President, Vice President, Secretary, Joint Secretary and Treasurer and attest the signatures of these newly elected Executive Committee office bearers within 15 days of the succeeding month in which elections were held.

E) **PATRON:** The Vice Chancellor of the VMSBUTU is ex-officio Patron of the UTU Alumni Association and shall supervise its activities in the interest of University and its alumni.

F) **Functions of the Executive Committee and Office Bearers:**

1. **President:** The President of the association shall preside over all the meeting of the General Body and Executive Committee. He can cast his veto in the case of tie for decision making. He will supervise the local Alumni Associations in all institutions under control of VMSBUTU.

2. **Vice President:** He/She shall assist the President in discharge of his functions. In the absence of the President he/she will perform the duties of the President as entrusted by the President.

3. **Secretary:** The Secretary is the Chief Executive officer of the UTU Alumni Association and custodian of all records relating to it and correspondent on behalf of the UTU Alumni Association. He/She will records the minutes of the meeting and would convene both the Executive Committee and General Body with the permission of the President. He/She will guide the Treasurer in preparing the budget and expenditure statement to place before the General Body for its approval. Secretary is under obligation to endorse all correspondences to the Registrar of VMSBUTU and Patron.

4. **Joint Secretary:** He/She has to do the work entrusted by Executive Committee along with assisting the Secretary in discharging duties. In the absence of the Secretary, the Joint Secretary will perform the duties of the Secretary.

5. **Treasurer:** He/She is responsible for all the financial transactions and Funds of the UTU Alumni Association. He/She has to maintain accounts properly along with the vouchers and He/She has to prepare the accounts of the association jointly with the Secretary or President. Treasurer shall be informing all financial matters to Finance Controller of VMSBUTU.

6. **Members:** There will be 06 members of Executive Committee of UTU Alumni Association who will be participating in EC meetings and perform tasks which the Executive Committee entrusts to them.

7. **Quorum:** 50 Life members will constitute quorum for General Body meetings and 1/4 elected of total strength of EC will be quorum for the Executive Committee meetings.

8. **Funds:** The funds shall be spent only for the achieving the objectives of the association and no portion there of shall be paid to or transferred directly to any of the members by any means.

9. **Amendments:** No amendments or alterations shall be made in the objectives of the association unless it is voted by 2/3 of its members of the general body present at a special meeting convened for this purpose provided it is approved by Executive Council of VMSBUTU. However; The Executive Council VMSBUTU shall have authority to modify the regulations of "UTU Alumni Association" as deemed suitable from time to time.

G) **Winding Up:** In case the UTU Alumni Association has to be wound up, its property and funds that remain will be used for discharging the liabilities, if any, and remaining shall be transferred or paid to Corpus fund of VMSBUTU or other fund as decided by VMSBUTU.

H) **Funds and Properties of the Association:**

1. Contribution from the public for the specific or general purpose of the Association;
2. Contributions, grants, aids and the recurring and non-recurring receipts from any members, individuals, governments, state or union, international, medical, educational and other charitable foundations or institutions in India and abroad made to the Association from time to time.
3. Such other income, resources, receipts and whatsoever received for the furtherance and advancement of the objectives and purpose of the Association.
4. Accretions to and income from the association properties, both movable and immovable;
5. The funds of the Associations shall be invested in the forms and modes specified in Sub-section (5) of Section 11 of the Income-tax Act, 1961 or any other Act or regulation applicable.

I) **Maintenance of Accounts and Audit:**

1. UTU Alumni Association will its funds in a bank account operated jointly by the Treasurer and Secretary or President of the Association.
2. The year of the Association for the purpose of accounts shall be from 1st April of every year to the 31st March of the following year.
3. Auditors shall be appointed at the Annual General Body Meeting who shall audit the accounts of the UTU Alumni Association every year or at such intervals as so desired by the Executive Committee and shall give suggestions for the proper keeping of Accounts as required. The annual audited report shall be presented in the General Body meeting and also submitted to the Finance Controller of the VMSBUTU every year.

12·17 संलग्नक-06
06

UTU INCUBATION HUB (UTU I-HUB)

VEER MADHO SINGH BHANDARI UTTARKHAND TECHNICAL UNIVERSITY, DEHRADUN

(Formerly Uttarakhand Technical University established by Act 415 of 2005 by Uttarakhand State Government)

REGULATIONS OF UTU INCUBATION HUB (UTU I-HIB)

1.Introduction

The scope of this document is to define the policies and procedures for the operational matters related to the incubation centre at Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University, Dehradun (UTU) called UTU Incubation Hub (I-Hub). Already existing incubation centre and all activities related to innovation, entrepreneurship, and incubation in the University will be under the purview of the UTU Incubation Hub. It covers the following:

Objectives
Governance
Eligibility
Admission procedure
Infrastructure and Services in I-Hub
Period of Incubation/Exit
Intellectual Property
Seed funding
Periodic assessment
Consideration
Conflicts of interest
Disclaimer
Agreements

The policy is subject to periodical review and amendments. It will be the responsibility of the incubates/companies admitted to I-HUB to update themselves from time to time on amendments in Incubation policy and procedures. UTU reserves the rights to make an exception of all or any of the terms of policy for a particular company or a promoter on a case to case basis.

2.Objectives

The goal of UTU Incubation Hub hereafter referred as 'I-Hub' at Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University, Dehradun hereafter referred as 'UTU' is to promote innovations, entrepreneurship and help in creating entrepreneurial ecosystem in the State of Uttarakhand. I-Hub will be facilitating the translation of ideas into reality and nurture entrepreneurs for the benefit of society. These regulations provide the innovation and incubation policy to provide guidance and Advisory structure for nurturing these activities to develop successful entrepreneurs.

3.Governance

The I-Hub will be governed by a Advisory Committee comprising of the following;

1. An eminent academician - Chairman
2. A successful entrepreneur - Member
3. One Professors familiar with entrepreneurship - Member
4. One Principal/Director of affiliated institution - Member
5. Manager of UTU I-Hub - Member
6. Finance controller/Finance Officer of University - Member
7. Registrar - Member Secretary

The members of Advisory Committee of I-Hub at serial numbers 1, 2, 3, 4, and 5 shall be nominated by the Vice Chancellor of UTU for a period of two years. The corum for meeting would be four.

Advisory Committee shall meet as and when required and take decision on all matters pertaining to I-Hub under superintendence of the Vice Chancellor, Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University. Routine activities of UTU I-Hub shall be carried out by a Manager nominated by the Registrar with the approval of Vice Chancellor. All affairs of I-Hub will be processed as per prevailing practices of the University. The decision taken by Vice Chancellor of VMSBUTU Dehradun shall be binding in any matter pertaining to I-Hub.

4.Eligibility

General eligibility criteria for admission to I-HUB are:

• I-HUB is open to the faculty, staff, alumni and students of UTU along with outside promoters.

• In case of company, it has to be registered with ROC (Registrar of Incubatees/companies) to be incubated in I-HUB. A company not registered with RoC (Proprietorship or Partnership) would have to do so within 6 months of admission to I-HUB or before the disbursal of seed fund, whichever is earlier. A company can exist as a private limited company, proprietorship or partnership before it is admitted.

• I-HUB would admit only technology based incubatees/companies in any engineering & technology, management, science, environment, pharmacy, architecture, law, etc. disciplines or as decided by the University from time to time. Acceptable business would involve innovative, technology-based product, idea or service.

• The preferred period for development of product or service to be developed should be less than 12 months before its launch in the market.

• Business plan with realistic financials demonstrating significant revenues within the first five to seven year has to be submitted with the application.

The admission to I-HUB can be in any one of the following categories.

4.1 Category I:

Students, faculty members, and staff of UTU and from all Institutions affiliated to it having the intent of trying out a novel technological idea for upgradation to a commercial proposition, scaling up a laboratory proven concept, and setting up a technology business enterprise qualify for a pre-incubation project. It is expected that the innovator would like to commercialize the technology and would graduate to category III within 1 year from beginning the pre-incubation.

4.2 Category II:

Any person from Uttarakhand or outside state having the intent of trying out a novel technological idea for upgradation to a commercial proposition, scaling up a laboratory proven concept, and setting up a technology business enterprise qualify for a pre-incubation

project. It is expected that the innovator would like to commercialize the technology and would graduate to category III within 3 years from beginning the pre-incubation.

4.3 Category III:

Technology based start-up company promoted by a first generation entrepreneur desirous of R&D partnership with the institute or a company, with the objective of commercializing a novel technological idea, scaling up a laboratory proven concept and setting up a technology business enterprise. University initiatives in this regard will automatically be falling under this category and dealt with by the University separately beyond the purview of these regulations.

4.4 Category IV:

Technology/ R&D unit of an existing small/ medium size enterprise, industry association or an R&D company who desires to have a close technology interface with UTU. These would be governed by individual contract with the specific company.

4.5 Decision Regarding Eligibility :

Final decision regarding the eligibility and admission to I-HUB shall be taken by the University on recommendations of I-HUB Advisory Committee and designated authorities or as prescribed from time to time.

4.Admission Procedure:

Following admission procedure would be followed:

4.1. STAGE 1:

Submit Executive Summary or Business Plan:

As a first step in the admissions process, the prospective individual / company should submit an executive summary. I-HUB will submit the executive summary to an internal review committee. I-HUB does not require the submission of a final business plan for category I, but the incubator does want to receive a written indication that the company's founders have thought through the entire business process and, to some extent, have addressed the essential issues which will affect the company's success. Category III and IV incubatees/companies must submit the business plan along with the application.

4.2 STAGE 2: Presentation to I-HUB

If the initial evaluation of the business plan / executive summary is positive, I-HUB will arrange a meeting at I-HUB with the individuals / company founders, during which the individual / company will be expected to present a PowerPoint presentation describing critical aspects of the business plan to an evaluation committee notified by the University. The presentation will be followed by question-answer session. After the presentation, a final determination will be made regarding the company's entry into the incubator. The company will be informed of final decision within a week after the presentation.

4.5 Research & Due Diligence:

Throughout the application process, on an as-needed basis, I-HUB will perform research and due diligence regarding the individual / company, the industry, and current and future competitive elements facing the business before granting admission. I-HUB may require further information from the applicant, and may ask the applicant to revise the executive summary and/or presentation.

4.6 Non-Disclosure:

I-HUB adheres to strict confidentiality throughout the application process. However, I-HUB will not sign any "non-disclosure" agreements.

4.7 Time:

The approval process can take as long as 8 to 10 weeks. The length of the approval process is largely dependent on the preparedness of the prospective individual / company.
After successful completion of the admission process, the time between approval and the actual move-in date is flexible, due to varying conditions such as space requirements, paper work, etc.

4.8 Documents to be Submitted:

An individual / company or a team of founders desirous of being incubated in I-HUB should submit the following documents:

1. Business Plan/ Executive Summary
2. Intellectual Property declaration worksheet
3. Details of availability of funds / Application for seed fund (if required and available from the concerned agency or UTU)
4. Statement of infrastructure requirements
5. The details expected are – office space (in sq feet), number of PCs (maximum of 5), any special lab facility needed, if the proposed company wants to be closely coupled to any lab, furniture requirements, connectivity and alike. R&D Support required from UTU, if any.
6. Statement of Purpose (what benefits and values do the promoters see from getting incubated in I-HUB).
7. Schedule – proposed date of moving in and anticipated duration of stay
8. Memorandum of Association and Articles of Association (if the company has already been formed, otherwise this would have to be submitted within 60 days from the date of starting of incubation in I-HUB)

4.9 Evaluation Criteria: Some representative criteria to be applied for evaluation (not limited to these)

1. Strength of the product idea in terms of its technology content, innovation, timeliness and market potential
2. Profile of the applicant individual / ore team/ promoters / company / R& D unit, etc.
3. Intellectual Property generated and the potential of the idea for IP creation
4. Financial/ Commercial Viability and 5 year projections of P&L, Balance Sheet and Cash Flows
5. Funds requirement and viability of raising finance
6. Time to market
7. Break-even period

5.Infrastructure and Services in I-HUB:

Upon admission to I-HUB, the following facilities will be offered to the incubates/companies on an individual basis on charges as decided by the University:

- Cubicle for Office space: Incubates/Company dependent
- Personal Computers – up to five, depending on the team size
- Internet connection
- Furniture

5.1 Common infrastructure: I-HUB provides a common pool of hard and soft infrastructure to be shared by all incubates/companies. Following resources are provided:

- Wi-fi facility
- Photocopying machine
- Library: As per availability
- Meeting space
- Electricity, cleaning, toilets, security, etc. as decided by University from time to time
- Other special facilities provided by University from time to time as per requirement

5.2 University infrastructure: I-HUB will facilitate access to university infrastructure as per norms of UTU.

5.3 Services: I-HUB will associate with professionals for accounting, IP, legal and Advisory expertise on a part-time basis. Incubatees/companies can avail of their services. Any direct services provided to an incubatee would have to be paid for by the incubatee to the service provider.

I-HUB will also provide soft infrastructure and business services to the incubatee incubatees/companies. Possible services and support items are listed as follows:

- Training in business Advisory: structured short courses
- Training in business communication: written as well as verbal
- Accounting tools/ software
- Common secretarial pool/staff
- Experiences of successful incubatees/companies – a knowledge/ information site would be created where Advisory concepts, intellectual property evaluations, deal making, negotiations, networking, VC funding, company registrations etc are provided
- Networking events/ showcases
- Tie-ups with chartered accountants and other professional organizations as required

Intern Support: Also, to provide support in Advisory, incubatees will be assigned an MBA /B. Tech./MCA/M.Tech. student, if desired.

5.4 Mentoring and Advisory Services

Strategic Checkups:

The I-HUB Incharge may meet with individuals / company CEOs at least once in every month for strategy reviews and discussion of operational issues.

• Each incoming company may be offered a "CEO Mentor". This is a person with extensive business experience or specific industry insight who will advise the company on a limited basis regarding matters of particular importance to the company.

• A faculty advisor from the relevant discipline may also be associated with the incubatee as a mentor on technology issues subject need and availability.

• Specialized mentors may also available to the incubatees/companies to assist with particular strategic areas or to provide project-oriented consultation. These arrangements may begin as a pro bono arrangement with an option for both parties to graduate to a paid relationship.

• All incubatees/companies would be provided access to consulting by professionals as per availability and mutually accepted terms and condition s.

Market Research and Consulting:

I-HUB partner organizations may provide consulting and market research services to incubates. Services may include:

- Market research and opportunity identification
- Valuation of Businesses
- Competitor Research
- Market analysis and sizing
- Customer Search
- Electronic Research
- Marketing plan formulation

- Consulting on strategies at various stages: Launch, Growth and Harvest of businesses.

Any specialized consultancy work for a specific company has to be paid for by the innovator / incubatee / company directly. However, I-HUB may provide certain services to all incubates, which it may choose to bear the complete cost of. However, it would be sole prerogative of I-HUB to choose who would pay for these specialized services.

6. Period of Incubation / Exit

Incubatees/companies will be generally permitted to stay in the incubator for a period of one year. Four extensions may be granted for 6 months each at a time at the sole discretion of the Advisory Committee of I-HUB depending on performance and likely outcome. However, the final decision will be taken by the Vice Chancellor which shall be binding on the incubates/companies.

Exit:

An Incubatee company will leave the incubator under the following circumstances:

- Completion of one year stay (if no extension granted)
- Underperformance or non-viability of initial proposal as decided by I-HUB on case to case basis
- Irresolvable promoters' disputes as decided by I-HUB on a case to case basis
- Violation of any UTU direction or policy
- Raising substantial investment (Rs 2 crores or more)
- Number of employees of the incubatee exceeds 20
- When the annual revenues of the incubatee exceeds Rs 2 crore or the Profit excluding Tax exceeds Rs 50 Lakhs
- When the company enters in an acquisition, merger or amalgamation deal or reorganization deal resulting in a substantial change in the profile of the company, its promoters, directors, shareholders, products or business plan
- Incubatee plans for a public issue
- Change in promoters'/ founders' team without concurrence of I-HUB
- Any change of more than 50% of equity ownership would require a prior approval of I-HUB
- Unavailability of sufficient space and facilities at I-HUB
- Any other reason for which I-HUB / University may find it necessary for an incubatee company to leave

Notwithstanding anything written elsewhere, the decision of I-HUB / University in connection with the exit of an incubatee company shall be final and shall not be disputed by any incubatee / company.

6.1Periodic assessment

A committee set up by I-HUB will evaluate the performance of incubates / companies every 3 months. The emphasis of evaluation will be on checking if the milestones specified in the business plan are met. For an individual / company which has taken seed fund loan, additional checks will be done on the financial health of the company in terms of its order booking, expenses, profitability, utilization of seed money loan for the specified purposes and its ability to repay the loan. Further seed fund disbursal will be dependent on the progress shown in previous appraisal. Periodic assessment would vary depending on the stage of incubation the company is in. Some representative criteria for evaluation are:

A. Ideation / Innovation stage
• Concept development / Opportunity spotting
• Product Development
• Market assessment / Competition analysis
• First level Business Planning / Business Modeling
• Founding Team
• Intellectual property protection
• Financing / Seed Funding

B. Pre-Market Stage
• Proof of Concept/ Prototyping
• Product Development and enhancement
• Financial Assistance Required
• Test marketing
• Full scale business planning including production, sales and sourcing

C. Implementation Stage
• Full scale Business Planning
• Pitching for Venture Funding
• Scaling up operations
• Large scale commercialization
• Mature Team Formation

D. Exit stage
• Going National / Global
• Exit options for UTU
• Full scale business Graduation
• Post incubation Survival

The incubatee may be asked to provide more frequent updates to I-HUB.

7. Intellectual Property

Promoters should fill an Intellectual Property (IP) declaration form at the time of admission. If some UTU, Dehradun IP is being used, the declaration should contain following details.

1. Intellectual Property that is being transferred from UTU to the individual / company / organization. This can be a patent, software code, copyright, design registration, developed product, and alike.
2. UTU seed grants, if have been used in developing the technology which will go into the product(s) of the proposed company.
3. Details of students who have worked on the technology and if their work is incorporated in the product(s).
4. Details of funds from Government agencies (DST, MIT, BNRS, DBT .....) if have been used in the development of technology along with the understanding with the funding agency in terms of sharing the IP.
5. Details of collaborative work with faculty members / officers (who are not promoters) incorporated into the product(s).
6. Details of infrastructure support provided by UTU (hardware, testing setup, instrumentation, computing resources, processes) that has been used in developing the technology that will go into the product(s).

7. Details of any consultancy projects that were executed in the proposed area.
8. An agreement with UTU that the IP has been assigned to the company for commercialization.

The entrepreneur would have option of first purchasing the rights of IP from UTU and then being incubated or assigning equity to UTU in lieu of direct payments to UTU on mutually agreed terms and conditions. Please refer the consideration section for details.The incubatee would maintain a register with the details of any IP (patents, licenses, copyrights etc) that has been brought into the company prior or during their stay at I-HUB. Also, any IP developed during the stay would be maintained in the register.

Notwithstanding anything written above, Intellectual Property Rights will be governed by the Intellectual Property Policy of UTU as available at that time.

8. Seed Funding

I-HUB, UTU may provide seed loan subject to the availability of funds/ grants/ schemes meant for this purpose. Seed loan will be sanctioned only to the registered incubatees/companies and shall be based on merits of each individual / company. Promoters/ founders whose incubatees/companies are not registered at the time of application shall not be eligible to apply for seed loan. Further, admission to I-HUB shall not automatically entitle the incubatees/companies to seed loan.

An individual / company desirous of getting seed loan may submit an application for seed fund simultaneously with submission of the application for admission in I-HUB. Sanction of seed loan will be decided based on the eligibility criteria as decided by I-HUB. It would be also subject to the terms stipulated under specific grant or scheme as the case may be.

One of the criteria for approval of the seed loan will be the contribution brought in by the promoters to the capital of their incubatees/companies. Preference will be given to incubatees/companies who already have some sources of revenue or some customer order booking. I-HUB will have sole discretion to sanction or reject an application for seed loan and the decision of I-HUB in this regard shall be final. I-HUB is not bound to give any reason in case an application for seed loan is rejected.

Though seed loan may be sanctioned at the time of approval of the proposal for admission, disbursement shall be subject to satisfaction of Incharge / Head of I-HUB and the University that suitable progress has been made.

The seed fund will be treated as a soft loan. The following terms apply for seed fund provision:

a. Up to Rs 10 lakhs of seed loan will be given to a company. This is the upper limit. Incubatees/companies will usually be given a much smaller amount unless there is a strong justification for releasing this quantum of investment.

b. The release of funds would be company specific and governed by rules regarding it.

c. The loan will carry an interest rate of three percent per annum and is repayable at the end of three years from disbursal. The company may choose to repay the loan in cash or to convert half the loan amount into equity as outlined in the Consideration Section.

d. Incubatees / Company will submit its current balance sheet, profit and loss statement and any other material to substantiate its loan application. The application should be substantiated by providing the outstanding client orders, Letters of Intent, Strategic Alliance agreements, invoices for services rendered, and alike.

e. Company will submit projected Balance Sheet, Profit and Loss Account and calculation of working capital requirements

f. Every 12 months or at the end of financial year (whichever is earlier), a balance confirmation certificate and a Promissory Note for the balance outstanding shall be taken by UTU as applicable.

In case the incubatee company defaults in repayment of the loan within the due period, the Steering Committee will review the performance of the incubate company and advise/recommend for the extension of the time period of the loan repayment, or to take appropriate legal action, or of writing off the loans to the Advisory Committee of the I-HUB. On the advice of the Advisory Committee of the I-HUB, the competent authority of UTU will initiate appropriate action.

1.17 Consideration: I-HUB will charge the incubates/companies for infrastructure and services, seed loan and UTU Intellectual Property. This payment would be in the form of service charges and equity share as per following details.
Consideration for infrastructure and services:
The incubates will have to pay the charges as follows:
Item Charges in Rupees
Office rent at Rs 100/sq.ft per month subject to minimum of Rs. 5000/-
PC rental at Rs 1500 per PC per month (2 PCs) 2,500
Shared Printer at Rs 200 per month(black and white) for 200 copies in a month and @Rs.1/- per copy for additional copies
Internet connection per login per month 500
Electricity charges Rs. 1000/- per month for light, air conditioning, two computers
Mentoring / Consultancy charges for the teachers provided by University Rs. 2000 per month / project
* I-HUB Advisory Committee may change the rates from time to time with the approval of the Vice Chancellor of the University.

The incubatees would have option of deferring 50% of the rent till the time they exit from I-HUB. For the deferred amount an interest rate of 10% would be charged to incubatee. However, the incubatee would need to provide a personal guarantee for the total sum deferred and interest (at 10% per annum) thereof. This amount would have to be paid back at the time of exit or converted to equity. The price for conversion would be as per the guidelines for seed fund.

Additionally 3% equity in paid up capital of company would be assigned to UTU for providing infrastructure services in all cases.

Consideration for UTU Intellectual Property:
As per the Intellectual Property Policy of UTU applicable from time to time and in the absence of referred policy, the decision shall be taken on case to case basis.

Consideration for seed fund:
The seed fund if provided by UTU is a loan and the incubatee are expected to pay back the seed loan at 10% per annum simple interest rate. The incubatee would need to provide a personal guarantee to the extent of seed loan and interest thereof.

Half of the financial support given to the incubatee company would have to be returned and the remaining 50% would be converted into equity at the time of valuation. The entrepreneur

would have the option of paying it back in cash also. 50% seed loan may be converted into equity as per following:
- Based on the valuation of the company at the time of exit OR
- Cost contribution (in case no valuation of the company is conducted or agreement reached on valuation): UTU and the promoters would share the equity of the company as per the investments made by them. For e.g. if the promoters have contributed Rs 80 Lakh and UTU Rs 20 Lakh, UTU will get a 20% stake in the company.
The repayment of the loan and the interest amount will start after three years of the disbursement of the first installment and will be recovered/repaid within the next three financial years in quarterly installments or as soon as the company makes operating profits and is in a position to service the loan, which ever is earlier.

Other Considerations:

Access to institute infrastructure (labs, library etc) and faculty expertise would be charged as per the defined UTU rules and regulations. Any consultant that is hired directly by the incubatee would have to be paid for directly but it is obligatory to inform the I-HUB about the same, which may even interfere in such hiring in exceptional circumstances related to credentials of consultant, availability of facility in University etc..
UTU will have a right to put suitable number of Directors (negotiated with the incubatee) on the Board of Company. UTU will nominate members on the board of company whose powers and duties would be the same as if he were a nominee director of a financial institution. However, the nominee director shall not stand as a guarantor either to UTU or any other party. The said director shall stand indemnified by the company at all times of any liability for any legislation or act for the time being in force.

Equity Disposal by UTU:
UTU would have the first right to sell-off its equity stake in the company. When the incubatee raises funds in any form (Angel Investment, VC fund, acquisition etc) where equity transaction would take place, UTU would sell its equity to the buyer.

In case, no such transaction takes place within five years of exit of the company from UTU, the promoters would undertake to buy-back the entire equity stake of UTU at a price which is highest of the following:

- Book Value of the shares
- Price that will give UTU a net return of 12% p.a. compounded annually (for the investments made in seed fund)
- Market Price of the shares as defined by independent valuation

In case the company closes down, UTU will initiate due process to recover the investment.

1.18 Business Plan Template

The possible structure for a comprehensive business plan may contain following sections in sequence as felt appropriate; however the business plan must cover all the issues listed in the template.
Recommended Subsections in a business plan:
1. Introduction / Company overview
2. Concept / Proposition / Product description
3. Market opportunity
4. Competition survey
5. Development plan and milestones
6. Marketing plan

7. Advisory / Organizational chart
8. Financials
9. Risks and de-risking strategies
10. Appendix

अनुलग्नक- 07

Memorandum of Understanding
Between
Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University, Dehradun
And
Donor : _____

Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University, Dehradun (hereinafter referred to as **"UTU"**) is a premier technological University engaged in imparting professional education besides research, innovation, technical training, and consultancy since 2005 as Uttarakhand Technical University, Dehradun subsequently renamed to Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University, Dehradun.

AND

Sh XXXXXXXXXX resident of _____ **(State, Country), Pin code – XXXXXX**, Permanent address: _____ **– XXXXXX (State, Country) (E-mail: _____, Mob:** XXXXXXXXXX) hereinafter referred to as "**Donor**".

In order to encourage the talent of outstanding students of the University and promote competitiveness amongst the students the **UTU** and the **Donor** resolve to join hands for institution of a sponsored **Gold medal** in the name of "**XXXXXXXXXXXXXXXX Memorial Gold Medal**" for topper of B.Tech. in Mechanical Engineering enrolled in **UTU** and sign this Memorandum of Understanding with following understanding.

1. **Donor** has donated a fund of Rs. 5,00,000/- in the University account which shall be treated as Endowment Fund for the Gold Medal instituted herein. The entire amount of endowment will be treated as the corpus and the interest earned to the limit of 3% simple interest annually shall be utilized to meet the expenses towards the cost of the Gold Medal and hosting the **Donor** whenever invited.

2. **UTU** shall maintain account for donation and get it audited separately, and the utilization report shall be sent to the **Donor** on their demand.

3. **UTU** shall have an **Endowment Fund Management Committee** appointed by the Vice-Chancellor for the overall management of the Endowment Fund.

4. **UTU** shall be declaring the topper student of **B.Tech. in Mechanical Engineering** every year after successful completion of the course in minimum stipulated period as per Ordinances. In case of a tie, the University shall be deciding topper through tie breaking first on the basis of marks secured in final year which will be followed by marks in previous years individually in descending order and based on age at the last.

5. **UTU** shall maintain complete account of the medal and endowment separately and the accounts shall be operated as per prescribed procedure of the University.

6. **UTU** shall award the Medal in the Convocation every year or in some other appropriate function as prescribed by the University in which invitation shall be essentially sent to the

SD

Donor to witness the ceremony. The first medal shall be awarded after accrual of one year's interest on the endowment unless the **Donor** gives the requisite amount for starting the medal separately for starting it immediately.

7. **UTU** shall have the power to award a cash prize whenever the interest from the endowment is insufficient for the award of Gold medal, in which case, it shall be called cash award with the same name. In the event of no medal being awarded in a year, the total interest accrued in respective year shall be added to the corpus. Any amount of interest over and above the cost of medal in a year shall be added to the corpus.

8. **UTU** shall have the power to negotiate with the donor for increasing the donation, whenever the funds are insufficient to carry out the purposes to which the funds have been endowed. In the event of refusal by the donor to increase the endowment, the University shall have the power to cancel the endowment and to forfeit the unspent amount of endowment. No interest shall be payable to the **Donor**.

9. **UTU** may go for change in terms and conditions, in consultation with the **Donor** with the approval of the Executive Committee of **UTU.**

Arbitration: The Vice Chancellor, **UTU** shall be the sole arbitrator in the event of any dispute arising out of or in any way concerning the present agreement or the subject matter hereof. The decision of the Arbitrator shall be final and binding on both the parties.

This MoU is signed on ... day of .....at Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University (UTU), Dehradun, Uttarakhand, INDIA.

On behalf of **Donor**

Signatures:

Name : Sh. XXXXXXXXXXXXXXXX

Address: _____
_____

Mob: XXXXXXXXXX
Email: XXXXXXXXXXXXXX

On behalf of **UTU**

Name: Sh. XXXXXXXXX

Registrar
Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand
Technical University, Dehradun (Uttarakhand)

Witness:

1.

2.

1.

2.

Parents Feedback Form	No.
	Date

Date:	Department:	Year:
Name of Parent:		Name of the Student:

Please rate the College/Institution on the following parameters

Sl No.	Parameters	Excellent 4	Good 3	Average 2	Poor 1	Comments
1.	Administrative facilitation					
2.	Help from college/institution office					
3.	Performance of teachers					
4.	Practical Knowledge imparted					
5.	Quality of Teaching					
6.	Lab Infrastructure					
7.	Industrial Exposure					
8.	Placement & career guidance					
9.	Transportation					
10.	Canteen					
11.	Extracurricular activities					
12.	Bank/Post Office/ATM					
13.	Medical Facilities					
14.	Security					
15.	Overall exposure					

Your suggestions to improve further :

Date:.....

Signature

FORMAT-2

EMPLOYER/RECRUITER SURVEY

(Employer/Recruiter)

Name of the Organization :

Supervisor Details

Name of the Supervisor :

Designation of the Supervisor :

E-mail ID :

Employee Details

Name of the Employee (or Student) :

College/Institute Name :

Designation & E-Mail ID of the Employee :

Excellent	Good	Average	Poor
4	3	2	1

Please rate the ability of our student on the following parameters		4	3	2	1	Comments
Q 1	Ability to apply his/her knowledge to provide solutions					
Q 2	Ability to provide a suitable solution to a problem and analyze related risks and other aspects					
Q 3	Ability to provide systematic solutions to new problems					
Q 4	Ability to contribute effectively to Research and Development activities to face new trends in technology					
Q 5	Ability to adapt to usage of new tools					
Q 6	Ability to exhibit ethical conduct in all organizational activities					
Q 7	Ability to consider environmental factors while providing a solution					
Q 8	Ability to lead a team efficiently					
Q 9	Ability to contribute effectively as a team member					
Q 10	Ability to participate in social, organizational and societal initiatives					
Q 11	Ability to address audience effectively and keep the session engaged					
Q 12	Ability to create and manage relevant documents					
Q 13	Ability to meet project deadlines					
Q 14	Ability to learn new techniques					
Q 15	Ability to get accustomed to new domains					

Date: ..... **Signature:**

Teacher's Feed Back Form

Subject Code & Name :

Subject Teacher : **Academic Year and Semester:**

Department :

College/Institution :

S. No.	Parameter	Rating				
		Excellent (4)	Good (3)	Average (2)	Poor (1)	Comments
1	Importance and relevance of the course to industry & societal needs					
2	Adequacy of time for effective coverage of syllabus/lab experiments					
3	Proficiency level of students in course					
4	Appropriateness of course content for the course outcomes/competencies at Higher Order Thinking Skills					
5	Contribution of course content to design thinking and critical analysis					
6. Innovative Teaching and Learning methods used: (ICT tools/Active learning/Collaborative learning/Peer coaching/Senior interaction/Quality circle/Field visits)						
7. Assessment methods followed to measure Course Outcomes at higher levies (Apply, Analyze, Evaluate & Create)						
8. Challenging topics:						
9. Course contents to be added (Give Reason)		10. Course contents to be removed (Give Reason)				
10. Any other suggestions:						

Date: .....

Signature of Subject Teacher:

54

Parents Feedback on Curriculum

Date of Feedback:	**Program Year :**
Student Name :	**Parent Name :**
Registration Number:	**College of Institute of study:**

	Questions	Excellent (4)	Good (3)	Average (2)	Poor (1)	Comments
1.	How do you rate the program that your ward is undergoing in terms of the workload of the courses in different semesters?					
2.	How do you rate the quality and relevance of the subjects/courses included into the semester?					
3.	How do you rate the treatment of the students by the faculty irrespective of the background of the student that includes Gender, cast, community creed etc. in teaching and evaluation?					
4.	How do you rate ambience of the college/institute for effective delivery of the academic programs?					
5.	How do you rate the subjects/courses in terms of their relevance to the latest technologies or future technologies?					
6.	How do you rate the programs based on the comfort of your ward in coping with the workload?					
7.	How do you rate the quality of teaching in the college?					
8.	How do you rate the outcomes that your ward has achieved from the subjects/courses?					
9.	How do you rate the transparency of the evaluation system in the college?					
10.	How do you rate the subjects/courses helping in developing your wards personality?					
11.	How do you rate the college activities that help your ward in getting internship, placement and admission in higher learning institutions?					
12.	How do you rate the transformation of your ward?					

Any Additional Comments/Suggestions

Date:.....

Signature of Subject Teacher

FORMAT-5

FEEDBACK FORM FOR TEACHER EVALUATION BY STUDENT

Note: This questionnaire has been designed by VMSB Utttarakhan Technical University to seek a feedback form the student to strengthen the quality of teaching-learning processes and to explore possibilities to improve teacher's performance in classroom to bring excellence in teaching and learning.

Name of College/Institute: ----------

Name of Department: ----------

Class:----------Session:----------Semester:----------

Name of Teacher:----------Subject Name & Course No----------

Total number of lectures delivered by teacher in the semester:----------

Number of classes attended by the student filling the form with percentage:----------

(If the student filling the form has less than 75% attendance he/she is requested not to fill the form.)

IN THE FOLLWING TABLE TICK (✓) THE APPROPRIATE CHOICE FOR EACH POINT.

Rating ⇨ / **Subject ⇩**		**Excellent (4)**	**Good (3)**	**Average (2)**	**Poor (1)**	**Comments**
A.	**Discipline**					
1.	Punctuality in the Class					
2.	Regularity in taking Classes					
3.	Student's attendance /presence in the class of teacher who is being evaluated					
4.	Completes syllabus of the course in time					
5.	Scheduled organization of assignments, class test, quizzes and seminars					
6.	Makes alternate arrangement of class in his/her absence					
	Sub Total (A)					
B.	**Subject Knowledge**					
7.	Focus on Syllabus					
8.	Self-confidence					
9.	Communication skills					
10.	Conducting the classroom discussions					
11.	Teaching the subject matter					
12.	Delivery of structured lecture					
13.	Skill of linking subject to life experience & creating interest in the subject					
14.	Refers to latest developments in the field					
	Sub Total (B)					

56

Rating ⇨ / Subject ⇩		Excellent (4)	Good (3)	Average (2)	Poor (1)	Comments
C.	**Teaching Methodology**					
15.	Uses of teaching aids (OHP/Blackboard/PPT's)					
16.	Blackboard/Whiteboard work in terms of legibility, visibility and structure					
17.	Uses of innovative teaching methods					
18.	Shares the answers of class tests or sessional test questions after the conduct of the class tests/sessional tests.					
19.	Shows the evaluated answer books of class tests to the students					
20.	Makes sure that he/she is understanding					
	Sub Total (C)					
D.	**Helping Attitude**					
21.	Helping approach towards varied academic interests of students					
22.	Helps student in providing study material which is not readily available in the test books say through e-resources, e-journals, reference books, open course wares etc.					
23.	Helps students irrespective of ethnicity and culture/background					
24.	Helps students irrespective of gender					
25.	Helps students facing physical emotional and learning challenges					
26.	Approach towards developing professional skills among students					
27.	Helps students in realizing career goals					
28.	Helps students in realizing their strengths and developmental needs					
	Sub Total (D)					
E.	**Laboratory Interaction (Only for Laboratory Courses)**					
29.	Regular checking of laboratory log books/note books					
30.	Availability of teacher in the laboratory for whole duration of laboratory hours					
31.	Helping the students in conducting experiments through set of instructions or demonstrations					
32.	Helps students in exploring the area of study involved in the experiment					
33.	Follows open ended approach for conducting the experiments					
34.	Takes interests in conduct of Laboratory seminars, group discussions etc.					
	Sub Total (E)					

F.	**Class Control**					
35.	Control mechanism in effectively conducting the clas					
36.	Students participation in the class					
37.	Skills of addressing inappropriate behaviour of student					
38.	Tendency of inviting opinion and question on subject matter from students					
39.	Enhances learning by judicious reinforcement mechanism					
40.	Inspires students for ethical conduct					
41.	Acts as a role model					
	Sub Total (F)					
	Total (A+B+C+D+E+F)					

Additional Remarks (If any).....

.....

.....

.....

.....

(Please cut along the dashed line and deposit it separately)

Name of the Student :.....

Name of the Department/Institute : .....

Name of the Teacher who has been evaluated : .....

Title of the course and course no. taught by the teacher : .....

Session: .....Class:.....Semester:.....Roll No.....

Date:.....

Signature of the Student

for A.C. Agenda

संलग्नक–13

टी0एच0डी0सी0–आई0एच0ई0टी0 के संचालन के संबंध में

दिनांक 1 सितम्बर, 2022 को श्री विजय बहुगुणा, डिप्टी जनरल मैनेजर (इलैक्ट्रिकल), टी0एच0डी0सी0 इण्डिया लि0 द्वारा कुलपति महोदय को दूरभाष (8923178490) से अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय और टी0एच0डी0सी0 इण्डिया लि0 के मध्य हुए समझौता ज्ञापन (MoU) के तहत टी0एच0डी0सी0 इंजीनियरिंग संस्थान का संचालन किया जाना चाहिए।

इस संबंध में विश्वविद्यालय और टी0एच0डी0सी0 इण्डिया लि0 के बीच दिनांक 10 मई, 2011 को हुए हस्ताक्षरित एम0ओ0यू0 के बिन्दु संख्या–2A, B के प्रावधान निम्नवत हैं। एम0ओ0यू0 की प्रति सुलभ सन्दर्भ हेतु संलग्न है।

2. Roles and Responsibilities

(a) The institute will be run by UTU as a Constituent College of the University/Institute of UTU and no financial liability shall devolve on THDCIL

(b) UTU shall run the Institute in self finance mode and shall meet all recurring expenses incurred on staff remuneration, purchase of consumables, R&M of facilities etc.

प्रस्तावित है कि सन्दर्भित संस्थान को विश्वविद्यालय व टी0एच0डी0सी0 इण्डिया लि0 के मध्य हुए एम0ओ0यू0 के प्रावधानों के अन्तर्गत संचालित करने पर विचार कर इसे Institute of UTU (इंस्टीट्यूट ऑफ उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय) के रूप में पुनर्गठित करने की कार्यवाही पर विचार कर अनुमोदन प्रदान करने का कष्ट करें।

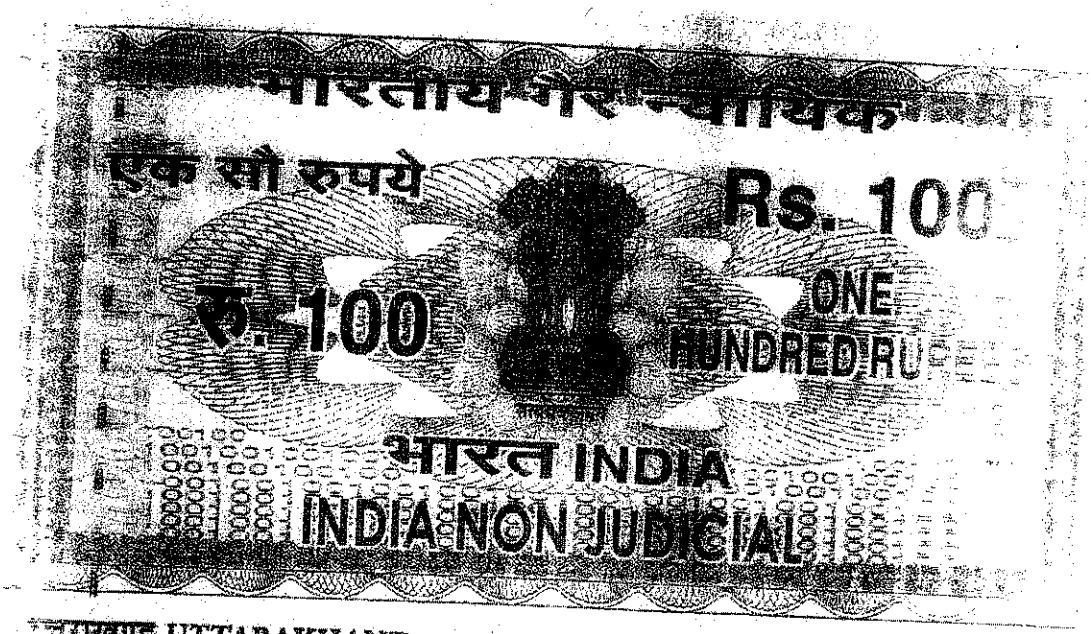

उत्तराखण्ड UTTARAKHAND

MEMORANDUM OF UNDERSTANDING

BETWEEN

THDC INDIA LIMITED
AND
UTTARAKHAND TECHNICAL UNIVERSTIY

This Memorandum of Understanding (hereinafter referred to as "MOU") entered into on this 10th day of May, 2011 at Dehradun amongst :

A. **THDC India Limited**, a Company incorporated under the Companies Act, 1956, having its registered office at Bhagirathi Bhawan, Bhagirathipuram, Tehri Garhwal – 249001 (Uttarakhand) and its Corporate Office at Pragatipuram, Bye Pass Road, Rishikesh - 249201 (Uttarakhand) (hereinafter referred to as '**THDCIL**' which expression shall, unless the context requires otherwise include its successors and permitted assigns), of the ***First part***.

and

B. **UTTARAKHAND TECHNICAL UNIVERSITY**, a University established under the Uttarakhand Technical University Act, 2005, Act No. 5 of 2005 enacted by the State of Uttarakhand, having its office at Govt. Girls Polytechnic Campus, P.O. Chandanwari, Sudhowala, Dehradun (hereinafter referred to as '**UTU**') represented by its Authorized Signatory hereinafter called the Second Party which expression shall mean and include its successors and permitted assigns of the ***Second Part***.

Both **THDCIL** and UTU shall collectively be referred to as "Parties" and individually as 'Party'.

WHEREAS

(a) THDCIL, a Joint Venture Corporation of the GoI and GoUP, with equity participation in the ratio 3:1, is a premier power generating company in India having expertise and strength in areas such as setting up and operation & maintenance of power projects, and various related facets including local area development as part of its activities in R&R. THDCIL has considerable presence in the Hydro Sector in the State of Uttarakhand - the 1000 MW Tehri Dam and Power Plant is operational since 2006-07 while the 400 MW Koteshwar HEP and 1000 MW Tehri PSP are under implementation. In addition various Hydro Projects in the Bhagirathi, Alaknanda and Sarda basins are under various stages of development.

(b) Uttarakhand Technical University (UTU), a University established under the Uttarakhand Technical University Act, 2005, enacted by the State of Uttarakhand is engaged in providing quality Technical education in the State.

(c) The Hydro Power Potential in Uttarakhand is approximately 20,178 MW, of which only 2,810 MW has been harnessed till now, another 3,581 MW is under construction and 8,054 MW is under development stage. There is a need for a Technical Institute for developing skilled technical manpower required for harnessing Hydro Power in the State of Uttarakhand.

(d) Looking into the above required augmentation in the field of Hydro Sector it was agreed by the Ministry of Power, Govt. of India, that THDCIL will meet the capital cost towards establishing a Technical Institute to impart instruction in various disciplines of Engineering with focus on Hydro Power and the Institute would be run up by the concerned academic body. The objective behind setting up of the Institute is to generate / create a pool of continuously upgraded skilled set of knowledge with special thrust on construction and operation of Hydro Power stations. In line with the above decision, THDCIL has taken up construction of the Institute, named as '***THDC Institute of Hydropower Engineering & Technology***' (hereinafter referred to as the '**Institute**') with requisite infrastructure as per AICTE norms at Bhagirathipuram, Tehri in an area of around 20 Acres.

(e) THDCIL had approached UTU to run the Institute as a Constituent College of the University / Institute of UTU in self financing mode, with staffing,

courses etc as per UGC / AICTE norms. UTU has confirmed to take over the constituent Institute without any liability on Uttarakhand Govt.

For the aforesaid purpose the Parties agree to sign these Presents on mutually agreed Terms and Conditions mentioned hereunder.

NOW THEREFORE THIS MEMORANDUM OF UNDERSTANDING (MOU) WITNESSETH AS FOLLOWS :

1. **Intent**

Running of the 'THDC Institute of Hydropower Engineering & Technology' by Uttarakhand Technical University (UTU), being developed by THDCIL as a Constituent College of the University / Institute of UTU as per UGC / AICTE norms. While the capital cost for setting up the Institute shall be borne by THDCIL, the Institute will be run by UTU in self financing mode.

The Institute being established will satisfy AICTE norms and standards on built up area of Academic, Administrative, Lab Buildings besides student amenities, Hostels etc. The student-teacher ratio and teaching posts will also be as per AICTE standards. Presently, the teacher : students ratio as per AICTE norms is 1:15, while the prescribed ratio for teaching posts is 1:2:6 (Professor : Associate Professor : Assistant Professor)

The posts of teaching and non-academic/supporting staff as per AICTE guidelines will be considered as created. However, Board of Governors will decide the recruitment as and when required. Salary will be decided on AICTE/UGC norms. Service conditions as prevailing in Centre/State Government will be honoured. Reservation will be implemented on existing Govt. rules.

Board of Governors as per UGC guidelines and similar to State Government institutions, except that the Vice Chancellor of UTU will be Chairman, will be constituted.

2. **Roles and Responsibilities**

Responsibility of UTU :

a) The Institute will be run by UTU as a Constituent College of the University / Institute of UTU and no financial liability shall devolve on THDCIL.

b) UTU shall run the Institute in self-finance mode and shall meet all recurring expenses incurred on staff remuneration, purchase of consumables, R&M of facilities etc.

c) UTU shall process all applications and registrations for student enrolments, and conduct all academic duties including exams and graduation. UTU will prescribe, collect and administer all requisite Fees. UTU shall ensure delivery of all academic activities relating to delivery of programmes such as teaching, examinations, academic planning etc.

d) UTU shall recruit and appoint all teaching and non-teaching staff required for running the Institute as per AICTE norms. UTU shall pay salaries and all associated expenses of staff as per AICTE/UGC norms and pay scales.

e) In keeping with the commitment of THDCIL to the Project affected population, 5% quota of intake every year shall be earmarked for admissions to the eligible candidates from families of the population affected due to the construction of Tehri / Koteshwar Dam. The eligibility of such candidates will be certified by District Magistrate/Director (Rehab), Tehri.

In addition to this, 02 seats in each discipline shall be reserved for wards of THDC employees. Wards shall mean biological offsprings and also step children or legally adopted children wholly dependent on employee.

Responsibilities of THDCIL :

a) THDCIL shall incur one time expenditure on creation of infrastructure for the Institute as per minimum requirement stipulated by AICTE in a phased manner which *inter alia* include one time complete furnishing of labs, workshops, library etc.

b) THDCIL shall spare to the extent possible Guest Faculty from its available pool of manpower.

c) THDCIL shall share facilities existing in THDC Campus viz. residence, hospital, recreation etc. to the extent possible with UTU.

3. **Development and deemed transfer to UTU**

a) The Institute shall be made operational in 2 stages. Stage-1 would cover construction of Institute to meet requirement to run first year classes, such as, Administrative Block, Academic Block including Library, Laboratories and Workshops, other essential requirements, such as, Canteen, Computer Lab, Medical Room, Director's and Registrar's Bungalows and necessary furnishing, furniture, equipment, books etc. The first stage will provide for complete first year requirement for Civil, Mechanical, Electrical, and Electronics disciplines.

b) Second Stage would include phased development of balance facilities required for conducting 2nd, 3rd, and 4th year classes such as Academic Block, Additional Labs, hostels, Staff Residence, Auditorium etc. with necessary equipment etc as per AICTE norms. After completion of the above facilities, the infrastructure so created shall be deemed to be transferred to UTU. UTU will be responsible for the running and maintenance of the Institute.

4. **Implementation Monitoring**

Adherence to the implementation of the MOU will be monitored on a quarterly basis by a Committee to be constituted for the purpose, comprising senior representatives from THDCIL, UTU and the Department of Technical Education, Govt of Uttarakhand.

5. **Correspondence**

Any and all correspondence / demands made of notice to be sent or required to be made under this MoU shall be in writing in English language, signed by the party giving such notice and shall be delivered personally or by any feasible mode of transmission coupled with sending original or registered post or e-mail to other Parties at their addresses set forth herein below or at such other addresses as other Party may subsequently notify.

All notices shall be deemed to have been served when delivered, which include facsimile as stated below:

Uttarakhand Technical University	THDC India Limited
Govt. Girls Polytechnic Campus P.O. Chandanwari, Sudhowala, Dehradun-248007 Fax :0135 2770124	Bhagirathi Bhawan (Top Terrace), Bhagirathipuram, Tehri Garhwal-249 124 Fax : 01376-236363

This MOU shall come into force for all purposes and intents upon its signing and shall remain valid from the date of its signing.

By this Memorandum of Understanding both parties affirm their commitment to carry out the activities and achieve the objectives mutually agreed upon.

IN WITNESS WHEREOF THE PARTIES THROUGH THEIR AUTHORISED REPRESENTATIVE HAVE SIGNED THESE PRESENTS ON THE DAY, MONTH AND YEAR MENTIONED ABOVE.

(D.S.Chauhan)
Vice Chancellor
Uttarakhand Technical University

Vice Chancellor
Uttarakhand Technical University
Dehradun

For and on behalf of
Uttarakhand Technical University

(D.V.Singh)
Director (Technical)
THDC India Limited

For and on behalf of
THDC India Limited

Witness
Registrar
Uttarakhand Technical University
Dehradun

Witness